राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

RNI Regn. No.7789/1964 वर्ष-61 > अंक - 195 रायपुर गुरूवार 11 दिसंबर 2025 विक्रम संवत 2082 पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. डाक पंजीयन : C.G/RYP DN/71/2023-25

राष्ट्रपति 11 से 12 दिसंबर तक मणिपुर का दौरा करेंगी

हैदराबाद ड्रोन शो ने रचा इतिहास, ग्लोबल समिट में बना गिनीज विश्व रिकॉर्ड

बाबा महाकाल मंदिर में पुजारियों के लिए ड्रेस कोड हुआ अनिवार्य, नए साल से नियम लागू

उज्जैन. एजेंसी

बाबा महाकालेश्वर मंदिर में नए साल 2026 से व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है, इसके लिए नये नियम लागू करने का निर्णय लिया गया है. मंदिर समिति ने निर्णय लिया है कि सभी पुजारी, पुरोहित और उनके प्रतिनिधियों को ड्रेस कोड का पालन करना होगा. उन्हें अपना आईडी प्रदर्शित करना होगा. यह नियम सुरक्षा, अनुशासन और उनकी स्पष्ट पहचान सुनिश्चित करने के लिए लागू किया जा रहा है. बता दें कि पिछले कुछ समय से महाकाल मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या लगातार बढ़ी है. खासतौर पर त्यौहारों, विशेष अवसरों और सामान्य दिनों में भी उमड़ने वाली भक्तों की भीड़ की वजह से कई बार सुरक्षा एजेंसी कर्मचारियों को पहचानना मुश्किल हो जाता था।

राहुल गांधी ने बीच में टोका, भड़क गए अमित शाह, बोले– संसद आपकी मर्जी के मुताबिक नहीं चलेगी

वोट चोरी का फेक नैरेटिव गढ़ने की कोशिश

एसआईआर को लेकर जनता को गुमराह कर रहे है विपक्षी

नईदिल्ली,एजेंसी

बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही में उस समय और भी नाटकीय मोड़ आ गया जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण को बीच में रोककर कथित वोट चोरी के मुद्दे पर उनसे बहस करने की चुनौती दी। अमित शाह और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बीच तीखी बहस हुई। यह झड़प तब हुई जब लोकसभा में चुनावी सुधारों पर चर्चा चल रही थी। लोकसभा में बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि विपक्ष विशेष गहन संशोधन विधेयक (एसआईआर) को लेकर चिंतित है क्योंकि इससे उनके लिए वोट देने वाले अवैध प्रवासियों के नाम हटा दिए जाएंगे। हालांकि, तनाव तब बढ़ गया जब गांधी ने शाह को बीच में रोककर कथित ÷वोट चोरी÷ के अपने पसंदीदा मुद्दे पर उनसे बहस करने की चुनौती दी।

गांधी ने कहा कि मैं आपको मेरी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर बहस करने की चुनौती देता हूं। शाह ने तुरंत जवाब देते हुए कहा कि वह (राहुल गांधी) यह तय नहीं कर सकते कि मैं क्या बोलूंगा, उन्हें धैर्य रखना सीखना होगा। मैं अपने भाषण का क्रम तय करूंगा, मैं तय करूंगा कि क्या बोलना है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गृह मंत्री शाह के चुनावी सुधारों पर दिए जा रहे भाषण में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि चलिए मेरी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर बहस करते हैं। अमित शाह जी, मैं आपको तीन विधानसभा सीटों पर बहस करने की चुनौती देता हूँ। गृह मंत्री ने पलटवार करते हुए कहा कि संसद आपकी मर्जी के मुताबिक नहीं चलेगी। मैं अपने भाषण का क्रम खुद तय करूँगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी समेत विपक्षी सदस्यों पर जमकर निशाना साधा और कहा कि कुछ नेता विभिन्न राज्यों में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) को लेकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर महीनों से झूठ फैलाया जा रहा है और सभी को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी भी एसआईआर को लेकर जनता को गुमराह करने के लिए 'वोट चोरी' का नारा गढ़ रहे हैं।

शाह ने कहा कि दो दिनों तक हमने विपक्ष से कहा कि इस पर दो सत्रों के बाद चर्चा की जानी चाहिए। लेकिन वे नहीं माने। हम मान गए... हमने 'ना' क्यों कहा? 'ना' कहने के दो कारण थे। पहला, वे(एसआईआर) पर चर्चा करना चाहते थे। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि इस सदन में एसआईआर पर चर्चा नहीं हो सकती। एसआईआर आयोग की जिम्मेदारी है। भारत का चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयोग सरकार के अधीन काम नहीं करते। अगर चर्चा हुई और सवाल उठाए गए, तो उनका जवाब कौन देगा? जब उन्होंने कहा कि वे चुनावी सुधारों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, तो हम तुरंत सहमत हो गए।

अमित शाह ने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा को लेकर पहले दो दिन तक गतिरोध बना रहा। इससे जनता को गलत संदेश गया कि हम इस पर चर्चा नहीं करना चाहते। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि संसद इस देश में चर्चाओं की सबसे बड़ी पंचायत है। भाजपा-एनडीए कभी भी चर्चाओं से पीछे नहीं हटती। विषय चाहे जो भी हो, हम संसद के नियमों के अनुसार चर्चा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि चार महीनों तक एसआईआर के बारे में एकतरफा झूठ फैलाया गया। देश की जनता को गुमराह करने के प्रयास किए गए।

जीतते हैं तो मतदाता सूची अच्छी है और जब हारते हैं तो मतदाता सूची खराब : शाह

शाह ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब चुनाव जीतते हैं तो मतदाता सूची अच्छी है और जब हारते हैं तो मतदाता सूची खराब है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पहला एसआईआर (चुनाव सर्वेक्षण) 1952 में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में किया गया था और फिर कहा कि नेहरू और इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकारों सहित कांग्रेस सरकारों के दौरान कई एसआईआर हुए। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चुनाव आयोग अपने संवैधानिक दायित्व के अनुसार एसआईआर का संचालन कर रहा है।

देश को विभाजित करने वाले जयचंद और मीरजाफर जैसे पापी : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर समाज और देश को विभाजित करने वालों से सावधान रहने का आह्वान करते हुए कहा कि ऐसे लोग जयचंद और मीरजाफर जैसा पाप कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तोड़ने के लिए बहुत से लोग हैं। कोई जाति के नाम पर, कोई क्षेत्र और कोई भाषा के नाम पर बांट रहा है। समाज और देश तोड़क इन तत्वों को जब सत्ता में आने का मौका मिलता है तो वे सिर्फ अपने और परिवार के बारे में सोचते हैं। परिवार के लिए प्रॉपर्टी, विदेश में होटल और द्वीप खरीदते हैं। ऐसे लोग देश को दरिद्र करने का षड्यंत्र करते हैं। जाति, क्षेत्र आदि के नाम के तात्कालिक लॉलीपॉप से समाज और देश का कल्याण नहीं हो सकता। देश का कल्याण तभी होगा, जब भेदभाव नहीं होगा, सबमें एकता होगी।

मुख्यमंत्री योगी सैनिक स्कूल गोरखपुर में देश के पहले सीडीएस (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ) जनरल बिपिन रावत के नाम पर बने ऑडिटोरियम के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बिपिन रावत की प्रतिमा का भी अनावरण किया और महान सैन्य नायक को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस प्रतिमा की स्थापना जनरल बिपिन रावत की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर जीबीआर मेमोरियल फाउंडेशन ऑफ इंडिया की तरफ से कराई गई है। सीएम योगी ने कहा कि आजादी के अमृत वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री मोदी ने आह्वान किया था कि आजादी के शताब्दी वर्ष तक हमें कैसा भारत चाहिए, इसके लिए एक कार्ययोजना बनाकर आगे बढ़ना होगा।

तिरुपति मंदिर में फिर बड़ा घोटाला सामने आया, 4 करोड़ का सिल्क दुपट्टे में हेराफेरी उजागर

तिरुपति. संवाददाता

आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध तिरुमला तिरुपति श्री वेंकटेश्वर मंदिर में प्रसिद्ध लड्डू घोटाले के बाद अब दुपट्टा घोटाला सामने आया है. तिरुमला तिरुपति देवस्थानम को सिल्क बताकर घटिया पॉलिएस्टर दुपट्टे सप्लाई करने का मामला उजागर हुआ है. पिछले 10 वर्षों में कॉन्ट्रैक्टर ने TTD को करोड़ों का चूना लगाया. आंध्र सरकार ने मामले को एंटी करप्शन ब्यूरो को सौंप दिया है. **सिल्क की जगह पॉलिएस्टर, दोगुना दाम** - रिपोर्ट के मुताबिक, कॉन्ट्रैक्टर ने शुद्ध मुलबेरी सिल्क दुपट्टों के नाम पर 100त्न पॉलिएस्टर के दुपट्टे टीटीडी को बेचे. एक दुपट्टे की बाजार

कीमत मात्र 350 रुपये होने के बावजूद इसे 1300 रुपये में बिल किया गया. ये दुपट्टे मंदिर में दानकर्ताओं को प्रसाद के रूप में दिए जाते हैं और वेदाशीर्वचनम् जैसे पवित्र अनुष्ठानों में भगवान को चढ़ाए जाते हैं. दुपट्टों पर सिल्क होलोग्राम की अनिवार्यता का भी पालन नहीं हुआ. 2015 से 2025 तक चले इस घोटाले से टीटीडी को करीब 54 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ. जांच में केंद्रीय रेशम बोर्ड समेत दो लैबों के टेस्ट ने पुष्टि की कि दुपट्टे पूरी तरह पॉलिएस्टर हैं।

गौरव का क्षण : यूनेस्को ने दिवाली को घोषित किया अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर

यूनेस्को ने दीपावली को अमूर्त धरोहर किया घोषित, आज फिर रोशनी से जगमग होगी दिल्ली

नई दिल्ली. एजेंसी। भारत के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है. रोशनी के त्योहार दीपावली को लेकर एक ऐसी जानकारी सामने आई है, जो पूरे भारत के लिए गर्व की बात है. दरअसल, यूनेस्को ने दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर में शामिल किया है. विदेश मंत्रालय की तरफ से प्रतिक्रिया भी सामने आई है. वहीं, राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आज फिर से दीपावली को मनाया जाएगा.

यूनेस्को की ओर से भारत को बधाई देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अमूर्त धरोहर की लिस्ट में नया नामः दीपावली, भारत. बधाई हो!

वहीं, विदेश मंत्रालय ने एक्स पर लिखा, यह एक खुशी का पल है क्योंकि रोशनी का त्योहार दीपावली, जो बुराई पर अच्छाई की जीत और भगवान राम के अपने राज्य अयोध्या लौटने का प्रतीक है, जिसे दुनिया भर में मनाया जाता है, उसे यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की लिस्ट में जोड़ा गया है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत और दुनिया भर के लोग बहुत खुश हैं. हमारे लिए, दीपावली हमारी संस्कृति और रीति-रिवाजों से बहुत करीब से जुड़ी हुई है. यह हमारी सभ्यता की आत्मा है. यह रोशनी और नेकी का प्रतीक है. दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर लिस्ट में शामिल करने से इस त्योहार की दुनिया भर में लोकप्रियता और बढ़ेगी. प्रभु श्री राम के आदर्श हमेशा हमारा मार्गदर्शन करते रहें. भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में 'दीपावली' का नाम शामिल होने के बारे में जानकर खुशी हुई. यह त्योहार के बहुत ज्यादा सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व और लोगों को एक साथ लाने में इसकी भूमिका को पहचान देता है. बता दें, इससे ठीक एक दिन पहले दिल्ली के संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा था, 10 दिसंबर को दिल्ली सरकार पूरी कैबिनेट के साथ दिल्ली हाट पर दीपावली मनाएगी. सभी सरकारी बिल्डिंग सजाई जाएंगी, लाल किले पर दीये जलाए जाएंगे और शहर के सभी चौक-चौराहों पर दीपावली की मार्केट लगेगी. ये सब तब होगा जब यूनेस्को दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर में मान्यता देगी. जैसे ही मान्यता मिल जाएगी, दिल्ली जगमग होगी, मेले लगेंगे, आतिशबाजी होगी और लाल किला रोशनी में नहा उठेगा.

कर्नाटक में हेट स्पीच रोकथाम बिल को मिली मंजूरी, 5,000 रुपये जुर्माना या तीन साल की कैद

नई दिल्ली. कर्नाटक हेट स्पीच और हेट क्राइम बिल, 2025 सदन में मंजूरी के बाद अब कानून बनने की ओर बढ़ गया है. सरकार का दावा है कि यह बिल राज्य में बढ़ती नफ रत, भेदभाव और हिंसा की घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. सरकार का कहना है कि डिजिटल युग में नफरत फैलाने वाली सामग्री तेजी से फैलती है, ऐसे में कड़े कानून की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी. इस बिल के अनुसार, कोई भी व्यक्ति जो किसी व्यक्ति के धर्म, जाति, समुदाय, लिंग, यौन रुझान, जन्म स्थान, निवास, भाषा, विकलांगता या जनजाति के प्रति अपने पूर्वाग्रह या असहिष्णुता के कारण किसी व्यक्ति को नुकसान पहुंचाता है या नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाता है या नफ रत फैलाता है, वह हेट क्राइम का दोषी माना जाएगा।

असम : हिमंता बिस्वा सरमा की अपील, अज्ञात लोगों को जमीन न दें

एजेंसी

हिमंता ने कहा कि हमने 10 दिसंबर 2019 को जातीय शहीद स्मारक की आधारशिला रखी थी। उस समय सरबानंदा सोनोवाल मुख्यमंत्री थे। आज हमने असम आंदोलन के शहीदों की स्मृति में एक सुंदर शहीद स्मारक समर्पित किया है। हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि 10 दिसंबर हमारे लिए एक पवित्र दिन है, एक नया संकल्प लेने का दिन है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को गुवाहाटी के बोरागाँव में असम आंदोलन के शहीद दिवस के अवसर पर शहीद स्मारक का उद्घाटन करते हुए लोगों से राज्य में किसी भी अज्ञात व्यक्ति को

नौकरी न देने या ज़मीन न बेचने का आग्रह किया। असम के मुख्यमंत्री ने शहीद स्मारक को उन शहीदों को समर्पित किया जिन्होंने 1979 में बांग्लादेश से असम में प्रवेश करने वाले घुसपैठियों के खिलाफ आवाज़ उठाई थी। हिमंता ने कहा कि हमने 10 दिसंबर 2019 को जातीय शहीद स्मारक की आधारशिला रखी थी। उस समय सरबानंदा सोनोवाल मुख्यमंत्री थे। आज हमने असम आंदोलन के शहीदों की स्मृति में एक सुंदर शहीद स्मारक समर्पित किया है। हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि 10 दिसंबर हमारे लिए एक पवित्र दिन है, एक नया संकल्प लेने का दिन है। मैं असम और देश के लोगों से आग्रह करता हूं कि वे अपनी जमीन अनजान लोगों को न बेचें। अपने उद्योगों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों में अनजान लोगों को नौकरी न दें और अनजान लोगों को अपनी जमीनों पर खेती करने के लिए न लाएं।

असम के मुख्यमंत्री ने उस समय एक सभागार के निर्माण के बारे में जानकारी दी और एक डिजिटल पुस्तकालय की योजना का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यहां 500 सीटों की क्षमता वाला एक सभागार बनाया जा रहा है।

विदेश | उग्रवाद और अस्थिरता को लेकर वैश्विक चिंताएं दुनिया में

इजरायली पीएम ने मोदी को लगाया फोन, गाजा पीस प्लान पर भारत ने किया सपोर्ट

एजेंसी

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया. इस दौरान दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर बातचीत हुई. इस बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने गाजा में जल्द से जल्द युद्धविराम के उद्देश्य से तैयार ट्रंप के शांति प्रस्ताव को तुरंत लागू करने के लिए भारत के पूर्ण समर्थन को दोहराया. प्रधानमंत्री मोदी और नेतन्याहू ने क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा की. इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने न्यायपूर्ण और स्थायी शांति हासिल करने के प्रयासों के लिए नई दिल्ली के समर्थन को दोहराया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित गाजा शांति योजना को शीघ्र लागू करना भी शामिल है. उन्होंने संघर्षों के समाधान के लिए संवाद, कूटनीति और शांतिपूर्ण तरीके को भारत की लंबे समय से चली आ रही नीति के रूप में रेखांकित किया. बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने आतंकवाद की हर रूप में कड़ी निंदा की और आतंकवाद के प्रति अपनी साझा जीरो टॉलरेंस नीति को फिर से दोहराया.

प्रधानमंत्री मोदी और नेतन्याहू ने भारत-इजराइल रणनीतिक साझेदारी में निरंतर गति पर संतोष जताया और आपसी हित के सभी क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई. उन्होंने रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार और नवोन्मेष के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त रास्ते तलाशने पर भी चर्चा की।

बता दें कि नेतन्याहू ने पीएम मोदी को फोन ऐसे समय पर किया है, जब पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में उग्रवाद और अस्थिरता को लेकर वैश्विक चिंताएं चरम पर हैं. दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर नजर रखते हुए तथा द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाते हुए आपस में निरंतर संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई. इसके साथ ही तेजी से बदलते भू-राजनीतिक माहौल में भारत-इजराइल साझेदारी के रणनीतिक महत्व को फिर से दोहराया.

हिन्दू जागरण का शंखनाद :- RSS सह सरकार्यवाह श्री अतुल लिमये जी का होगा मुख्य उद्बोधन

रायपुर में आज आयोजित होगा भव्य 'विराट हिन्दू सम्मेलन'

पूज्य संतों के सानिध्य और RSS के श्री अतुल लिमये जी के मार्गदर्शन में एकजुट होगा समाज

भैंसथान मैदान में सजेगा 'विराट हिन्दू सम्मेलन' का मंच

रायपुर। लोकशक्ति

हिन्दू जागरण समिति, रामसागर पारा द्वारा आज दिनांक 11 दिसंबर 2025 को राजधानी रायपुर के हृदय स्थल, अग्रसेन चौक स्थित भैंसथान मैदान में एक विशाल और ऐतिहासिक 'विराट हिन्दू सम्मेलन' का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में समरसता, एकता और सांस्कृतिक चेतना का संचार करना है।

कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाने और

श्रद्धालुओं को आशीर्वचन प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ के पूजनीय संत भी मंच पर विराजमान होंगे। श्रद्धेय संत महंत श्री रामसुंदर दास जी महाराज और श्रद्धेय संत श्री वेदप्रकाश जी महाराज का विशेष 'आशीर्वचन' समाज को प्राप्त होगा। संतों का सानिध्य और मार्गदर्शन इस सम्मेलन को एक आध्यात्मिक दिशा प्रदान करेगा।

इस भव्य एवं विराट आयोजन में समाज को प्रेरक उद्बोधन प्रदान करने और राष्ट्र निर्माण में भूमिका सुनिश्चित करने हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के माननीय सह सरकार्यवाह श्रीमान अतुल लिमये जी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। श्री लिमये जी का उद्बोधन उपस्थित जनसमूह को प्राप्त होगा, जिसमें वे वर्तमान परिदृश्य में हिन्दू समाज की भूमिका के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मार्गदर्शन करेंगे।

आयोजक समिति का मानना है कि जब समाज अपने मूल्यों और संस्कृति के प्रति सजग होता है, तभी राष्ट्र परम वैभव की ओर अग्रसर होता है। इस सम्मेलन के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम का विवरण :

दिनांकः 11 दिसंबर 2025 (पौष माह, शुक्ल पक्ष सप्तमी)
समयः दोपहर 04:00 बजे से
स्थानः भैंसथान मैदान, अग्रसेन चौक, रायपुर (छ.ग.)

नगर भर से हजारों की संख्या में मातृशक्ति, युवा और वरिष्ठ नागरिकों के इस सम्मेलन में भाग लेने की संभावना है। अतः आपसे निवेदन है कि आप स्वयं अथवा अपने संस्थान के प्रतिनिधि (रिपोर्टर/कैमरामैन) को इस कार्यक्रम के कवरेज हेतु भेजने का कष्ट करें। आपकी गरिमामय उपस्थिति हमारे लिए उत्साहवर्धक होगी। कृपया कार्यक्रम शुरू होने के 10 मिनट पूर्व स्थान ग्रहण करने की कृपा करें। हम आपके सहयोग की अपेक्षा करते हैं।

स्वागत समितिः

श्री प्रफुल्ल विश्वकर्मा, श्री विजय अग्रवाल, श्री रामलखन साहू, श्री अमर बंसल, डॉ. मंतराम वर्मा।

आयोजन समितिः

श्री सुनील खण्डेलवाल, श्री मोहन साहू, श्री जयप्रकाश फुटान, श्रीमती दीपीका सोनी, श्री मोहन साहू (बॉस), श्री विजय सोनी, श्री सोनू सिंह राजपूत, श्री कुंज बिहारी यादव, डॉ. मंजरी बक्षी, श्री कुशल गेडेकर, श्रीमती दीपलक्ष्मी साहू, श्रीमती ममता साहू, श्री हरीश फरीकार, श्री राजेन्द्र शर्मा, श्री रमेश शर्मा, श्रीमती संतोषी यादव, श्रीमती अर्चना झेरिया, श्रीमती पूनम सोनी।

बहनों ने अडियाला जेल के बाहर डाला डेरा, कहा– 'इमरान खान को मेंटल टॉर्चर किया जा रहा'

इस्लामाबाद ,एजेंसी।

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से मुलाकात को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। इमरान खान के परिवार को बीते दिन भी उनसे मिलने नहीं दिया गया, जिसके विरोध में उनकी बहन अलीमा खान और पीटीआई के सैकड़ों नेता देर रात अडियाला जेल के बाहर धरने पर बैठ गए। उनका आरोप है कि इमरान खान को लंबे समय से गैर-कानूनी आइसोलेशन में रखा गया है और उनके साथ शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है।

अलीमा खान ने जेल गेट पर धरने के दौरान कहा कि वे पिछले आठ महीनों से हर मंगलवार जेल पहुंच रही हैं, लेकिन उन्हें मुलाकात की अनुमति नहीं मिल रही। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके भाई को टॉर्चर किया जा रहा है और सरकार कोर्ट के निर्देशों का पालन नहीं कर रही। धरना प्रदर्शन के दौरान पीटीआई के सैकड़ों नेता मौजूद रहे, जिन्होंने इमरान खान की स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई। अडियाला जेल के आसपास भारी सुरक्षा तैनात की गई थी, ताकि स्थिति न बिगड़े। स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब पीटीआई के वरिष्ठ नेता–सेक्रेटरी जनरल सलमान अकरम राजा और खैबर पख्तूनख्वा के प्रांतीय प्रमुख जुनैद अकबर खान–भी धरने में शामिल हो गए।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

जिला स्तरीय युवा उत्सव सम्पन्न : सांस्कृतिक रंगों और प्रतियोगिताओं में दमक उठी युवा प्रतिभा

महोत्सव बना यादगार, 400 से अधिक युवाओं ने दिखाई प्रतिभा

0 भारत की संस्कृति और समृद्ध इतिहास को आगे ले जाने में युवा वर्ग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्णः विधायक रायमुनी भगत

जशपुरनगर । जिले में सोमवार को सामुदायिक भवन जशपुर में जिला स्तरीय युवा उत्सव 2025 धूमधाम से संपन्न हुआ। इस आयोजन में लगभग 400 युवाओं ने उत्साह और ऊर्जा के साथ भाग लेकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। युवा उत्सव के दौरान विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध किया, वहीं भाषण, चित्रकला एवं अन्य प्रतियोगिताओं में युवाओं ने अपनी प्रतिभा से सबको आश्चर्यचकित किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि विधायक रायमुनी भगत सहित अन्य अतिथियों ने विजेताओं को शुभकामनाएं दीं और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। विभिन्न स्पर्धाओं के विजेताओं को प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए।

विधायक रायमुनी भगत ने अपने उद्बोधन में सभी विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि भारत की संस्कृति और इतिहास सदैव समृद्ध रहे हैं, और इस समृद्ध परंपरा को आगे ले जाने में युवा वर्ग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में युवा शक्ति सबसे बड़ी आधारशिला होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सोच है कि सभी युवा निपुण हो और सभी को सामान अवसर मिले। इसलिए युवाओं को निखारने कई योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। उन्होंने युवाओं से मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के साथ अपने भविष्य को संवारने का आह्वान किया तथा शिक्षकों से युवाओं को बेहतर मार्गदर्शन देने की अपील की।

नगर पालिका अध्यक्ष जशपुर अरविंद भगत ने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यदि युवा ठान लें तो हर लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य ने 25 वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है और इस युवा प्रदेश में अपार संभावनाएँ मौजूद हैं। उन्होंने युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरणा लेने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। साथ ही युवाओं को नशापान से दूर रहने की अपील भी की।

युवा उत्सव में आयोजित प्रतियोगिता के विजेता-उपविजेता का किया गया पुरूस्कृत

युवा उत्सव में विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें विजेताओं को पुरूस्कृत किया गया। एकल प्रतियोगिता -वाद-विवाद स्पर्धा में फरसाबहार की रोशनी विश्वकर्मा विजेता और उपविजेता पत्थलगांव की किरण निषाद रहीं। इसी प्रकार से कहानी लेखन में विजेता श्रद्धा विश्वकर्मा जशपुर एवं उपविजेता देवकी यादव कांसाबेल, चित्रकला में विजेता समीर कश्यप जशपुर एवं उपविजेता सोनिया बाई कुनकुरी, कविता लेखन में विजेता अवि कुमार बड़ाईक पत्थलगांव एवं उपविजेता दीपिका बेहरा फरसाबहार, हस्तशिल्प में विजेता निशा बाई मनोरा एवं उपविजेता सत्यानंद राम कुनकुरी, हैंडक्राफ्ट में विजेता सना अख्तर कुनकुरी, कृषि उत्पाद में विजेता कुनकुरी, भाषण प्रतियोगिता में विजेता सरस्वती सिदार कांसाबेल एवं उपविजेता अभिलाषा एक्का कुनकुरी, व्यक्तिगत लोकगीत में विजेता जशपुर।

राज्य स्तरीय सामाजिक प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रशासनिक सेवाओं का गौरव-धनंजय राठौर हुए सम्मानित

रायपुर । प्रांतीय समाज गौरव विकास समिति रायपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा आयोजित त्रयोदश राज्य स्तरीय सामाजिक प्रतिभा सम्मान समारोह में इस वर्ष प्रशासनिक क्षेत्र के विशिष्ट व्यक्तित्व धनंजय राठौर को सामाजिक समरसता सम्मान से अलंकृत किया गया। सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, विशिष्ट अतिथि नोहर राम साहू (सेवानिवृत अपर कलेक्टर रायपुर) रहे। कार्यक्रम के संयोजक व समिति अध्यक्ष डॉ. सुखदेव राम साहू सरस के सफल संयोजन में कल संपन्न हुआ। डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि श्री धनंजय राठौर की इतिहास, संस्कृति, कला और साहित्यिक गतिविधियों में उपलब्धि के लिए सम्मानित करते हुए हर्ष हो रहा है।

जनसंपर्क विभाग में संयुक्त संचालक के रूप में कार्यरत राठौर को उनकी उत्कृष्ट प्रशासनिक दक्षता, जनसंचार क्षेत्र में प्रभावी नेतृत्व और राज्य-राष्ट्रीय स्तर पर किए गए उल्लेखनीय कार्यों के साथ ही साथ राज्य-राष्ट्रीय ओर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में रिसोर्स पर्सन के रूप में दिए योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया।

सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि हमारे छत्तीसगढ़िया में प्रतिभा की कमी नहीं है। वे हमेशा प्रचार प्रसार से दूर रहते हैं ओर अपना कार्य कुशलतापूर्वक सम्पादित करते रहते हैं, इसलिए उनकी प्रतिभा का सही मूल्यांकन नहीं हो पाता। हमारे छत्तीसगढ़ में एक से एक प्रतिभा सम्पन्न व्यक्ति हैं, जिन्होंने न केवल छत्तीसगढ बल्कि प्रदेश के बाहर देश और विदेश में अपनी प्रतिभा का डंका बजा रहे हैं। श्री राठौर ने न केवल प्रशासनिक क्षेत्र में बल्कि सामाजिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में भी अनेक उपलब्धि हासिल की है, जो सराहनीय है।

विशिष्ट अतिथि नोहर राम साहू (सेवानिवृत अपर कलेक्टर रायपुर) ने कहा कि राठौर शिक्षा, संस्कृति, आदिवासी सस्कृति की संरक्षा, छत्तीसगढ की सस्कृति, परंपरा को जीवित रखकर उनका प्रचार-प्रसार में अपनी एक अलग छाप छोड रखा है। कार्यक्रम के संयोजक व समिति अध्यक्ष डॉ. सुखदेव राम साहू सरस ने कहा कि राठौर प्रतिभाशाली, साधनहीन एवं निर्धनों को उनकी सुविधा के लिए सहयोग और प्रोत्साहन, समाज के निर्धन कन्याओं के विवाह में सहयोग देकर उनका मनोबल बढाने, कमजोर वर्ग के बच्चों को शिक्षा के लिए मार्गदर्शन देने के साथ ही सहयोग करने में पीछे नहीं रहते।

बहुआयामी शिक्षा और सुदृढ़ व्यक्तित्व

1 जुलाई 1965, जांजगीर में जन्मे राठौर ने एम.ए. (इतिहास, दर्शनशास्त्र, समाजशास्त्र), डिप्लोमा इन टूरिज्म, बी.जे.एम.सी., एम.फिल. के अलावा इतिहास लेखन एवं शोध संस्थान से प्रशिक्षण भी लिया है और राज्य सूचना आयोग में पदस्थ रहते सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के प्रशिक्षण देने का कार्य करते आ रहे हैं। उन्होंने आदिवासी विकास, उनकी परंपरा, संस्कृति पर भी अनेको रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए हैं।

कमल कॉलेज राजनांदगांव में रैनी लीक का पांच टेस्ट की सीरिज में चौथा टेस्ट मैच संपन्न

प्लेयर ऑफ द मैच अभय बासफोड़, आरसीए बी की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। जिसमें अर्श, अनन्या शाह मंडावी ओपनिंग जोडी में मैदान में उतरे। पहला विकेट जल्दी गिर गया।

राजनांदगांव । कमला कॉलेज ग्राउण्ड में आरसीए ए एवं आरसीए बी के मध्य कमला कॉलेज ग्राउण्ड में फूलटर्फविकेट में चौथा टेस्ट दो दिवसीय मैच संपन्न हुआ। आरसीए बी की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। जिसमें अर्श, अनन्या शाह मंडावी ओपनिंग जोडी में मैदान में उतरे। पहला विकेट जल्दी गिर गया। 21 रन के योगदान पर। क्रमशः अनन्या शाह मंडावी 9 रन, अर्श 16 रन, अर्श खान 15 रन, अभय 57 रन 11 चौके की मदद से बनाया और भव्य अनुसूर्या 14 रन का योगदान दिया। पूरी टीम 147 रन बनाकर ऑलआऊट हो गई। एक्स्ट्रा 29 रन प्राप्त लेगबाई 5 रन, नो बॉल 11, बाई 10 रन। बॉलर आरसीए ए की ओर गेंदबाजी करते हुए पप्पू यादव 2 विकेट, 4 विकेट शौर्य साहू, रियांश 1 विकेट, विजेन्द्र 1 विकेट प्राप्त किया। आरसीए ए की टीम ने ओपनिंग जोडी में बिजेन्द्र यादव, दरवेश मैदान में उतरे दरवेश 0 रन बनाया भव्य की बॉल पर एबीडब्लू आऊट हो गया क्रमशः बिजेन्द्र यादव 15 रन, शौर्य 7 रन, रियांश 6 रन और पूरी टीम 56 रन पर ऑलआऊट हो गई। एक्सट्रा 16 रन, व्हाईट 13, नो बॉल 1, बाई 2 रन प्राप्त हुए। आरसीए फालआन कप्तान ने आरसीए ए को फालआन खिलाया। 91 रन पर बढ़त हासिल किया। फालआन खेलते हुए आरसीए की ए टीम ने दूसरी इनिंग में ओपनिंग जोड़ी में बिजेन्द्र यादव, रूद्र दशेरिया मैदान में उतरे बिजेन्द्र यादव 0 रन बनाकर अर्श की गेंद में एलबीडब्लू आऊट हो गया। 8 रन राजवीर, रियांश 2 रन पूरी टीम 23 रन बनाकर ऑलआऊट हो गई। एक्सट्रा 12 व्हाईट 2, लेगबाई 2 रन। आरसीए बी की ओर गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट अभय, अनन्या शाह मंडावी 2 विकेट, मोनिका मंडावी 1 विकेट प्राप्त किया। प्लेयर ऑफ द मैच अभय बासफोड़ को दिया गया।

मैन की ऑनलाईन स्कोरिंग हुई। मैच के अंपायर रियांश, आरती रहे। आर.सी.ए. के हेड कोच संदीप शुक्ले महापौर प्रत्याशी व एकेडमी परिवार की ओर से कोषाध्यक्ष अनन्य देवांगन, महेश साहू, रणजी आईपीएल प्लेयर अजय मंडल, विनोद भावे, अन्तु करान्डे, अम्लाडीह पूर्व महिला शोभा चोपड़ा, मनोज साहू एवं जोई थामस सहायक कोच सभी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दी। उपरोक्त चयन होने पर सभी ने उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। आर.सी.ए. के हेड कोच संदीप शुक्ले महापौर प्रत्याशी ने दी।

नगर निगम ने तत्काल नाली सफाई करवाकर जनशिकायतों का किया त्वरित निदान

रायपुर । नगर पालिक निगम रायपुर को प्राप्त सफाई से सम्बंधित जनशिकायतों को तत्काल संज्ञान में लेते हुए रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप द्वारा दिए आदेशानुसार और नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही द्वारा दिए निर्देशानुसार संबंधित जोन स्वास्थ्य अधिकारी की उपस्थिति में अशोक नगर, करिश्मा टावर, व्ही.व्ही. विहार, एलआईसी कॉलोनी, आदर्श नगर, गोल्डन होम्स, अमन नगर, प्रेम नगर, इतवारी कुंज में नाली सफाई कार्य शीघ्रता से कराये जाने की सम्बंधित स्थलों पर कार्यवाही की गयी। निर्देश प्राप्त होते ही जोन स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा सफाई टीम के साथ उक्त स्थानों पर तत्काल नाली सफाई का कार्य कराया गया। नालियों में जमे कचरे को साफ कर मार्ग को स्वच्छ किया गया औरसफाई से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायतों का त्वरित निदान किया गया। नगर पालिक निगम रायपुर के समस्त 70 वार्डों में नालियों की नियमित सफाई एवं कचरे का उठाव निरंतर किया जा रहा है, जिससे स्वच्छता व्यवस्था बेहतर बनी रहे।

उदंती सीता अभयारण्य में जिंदा पैंगोलिन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गरियाबंद । उदंती सीता नदी अभयारण्य की एंटी-पोचिंग टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक जीवित पैंगोलिन की तस्करी कर रहे दो आरोपियों को पकड़ लिया। दोनों आरोपी ओडिशा के रहने वाले बताए जा रहे हैं। यह कार्रवाई वाइल्ड लाइफ जस्टिस कमीशन की सूचना के आधार पर की गई, जिसने इस दुर्लभ और शेड्यूल-1 श्रेणी में दर्ज वन्यजीव की तस्करी की कोशिश की जानकारी साझा की थी।

सूत्रों के मुताबिक, कमीशन द्वारा बताए गए लोकेशन पर छत्तीसगढ़ ओडिशा सीमा के पास टीम ने घेराबंदी कर दोनों तस्करों को दबोच लिया।

छत्तीसगढ़ में सुचारू रूप से चल रही धान खरीदी, समस्याओं का हो रहा समाधान : अरुण साव

रायपुर। छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार जनहित में कार्य करने वाली सरकार है। कोई नीति में उन्हें तकलीफ है तो उस पर निर्णय लेने का काम सरकार करती है। प्रदेश में धान खरीदी सुचारू रूप से चल रही है। पांच साल जनता को ठगने वाली कांग्रेस भ्रम फैला रही है। यह बात उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज नवा रायपुर निवास कार्यालय में पत्रकारों से कही। श्री साव ने कहा कि, राज्य सरकार ने किसानों से धान खरीदी की पुख्ता व्यवस्था की है। जैसे जैसे धान की आवक हो रही है। सरकार उसकी व्यवस्था सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि, किसानों का निर्धारित धान, एक एक दाना सरकार खरीदेगी। इसके लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। किसी को इस विषय पर चिंता करने की जरूरत नहीं है। जो कहा है, वह करेंगे। श्री साव ने कहा कि, कांग्रेस शुरू से ही किसानों में भ्रम फैलाने का काम कर रही है। किसानों से झूठ बोलकर भड़काने की कोशिश की है। जबकि प्रदेश में सुचारू रूप से धान खरीदी चल रही है। जहां भी दिक्कत आ रही है, सरकार उसके समाधान के लिए त्वरित कार्यवाही कर रही है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि, साय सरकार जनहित में कार्य करने वाली सरकार है। जनता को कोई तकलीफ आएगी तो उसे दूर करने की सरकार की जवाबदारी होती है। कोई नीति और योजना में वास्तव में तकलीफहै तो उसे दूर करने का काम कल्याणकारी सरकार का होता है। ये कांग्रेस की तरह जनता को ठगने और लूटने वाली सरकार नहीं है। ये विष्णु साय जी की सुशासन सरकार है।जनहित में जो भी निर्णय करना पड़ेगा तो करते हैं। श्री साव ने कहा कि,प्रदेश में 24 लाख परिवारों को पीएम आवास मिला है। इतने लाखों परिवारों को कांग्रेस ने आवास से वंचित रखा था। बहुत बड़ा अन्याय गरीबों परिवारों के साथ किया था। माताओं बहनों को 500, रुपए देने का वादा कर नहीं दिया। धोखेबाजी कर ठगने का काम किया। हमने 23 महीने की सरकार में 22 किस्त दे चुके है। इससे माताओं और बहनों में उत्साह है। वे सशक्त बन रही है। परिवार और देश के विकास में योगदान कर रही है। महिला शक्ति विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हमारी सरकार गरीबों को आवास, महिलाओं को महतारी वंदन देने और युवाओं को न्याय देने पर संतोष है। यही विष्णु का सुशासन और मोदी की गारंटी है।

जिला स्तरीय महिला खेल-कूद प्रतियोगिता एवं युवा उत्सव का भव्य

बेटियों का आत्मविश्वास, समर्पण और साहस पूरे समाज को देता है प्रेरणा - विधायक ओंकार साहू

युवाओं ने दी 14 विधाओं की प्रस्तुति, कला देख दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

विजेता प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

धमतरी । जिला प्रशासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा नेहरू युवा केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में आज स्थानीय बाबू पंढरी राव कृदत्त इंडोर स्टेडियम, आमातालाब धमतरी में जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता एवं युवा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक धमतरी ओंकार साहू सहित उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। साथ ही विधायक सिहावा अंबिका मरकाम, महापौर रामू रोहरा, छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू राम निषाद, पूर्व विधायक रंजना साहू अन्य जनप्रतिनिधि, सहित एसडीएम पीयूष तिवारी, अधिकारी-कर्मचारी, प्रतिभागी और जिलेवासी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक धमतरी ओंकार साहू ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व का मार्ग है। जिले की प्रतिभाएं लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और इन युवाओं को खेल सुविधाओं को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने महिला खेल प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं की भागीदारी से खेल क्षेत्र में नई ऊर्जा और सकारात्मक बदलाव आ रहा है। खेल मैदान में बेटियों का आत्मविश्वास, समर्पण और साहस पूरे समाज को प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में सिहावा विधायक अंबिका मरकाम बतौर अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा ग्रामीण क्षेत्रों से उभर रही प्रतिभाएँ आज प्रदेश ही नहीं, देश का नाम रोशन कर रही हैं। बेटियों की सक्रिय भागीदारी हमारे समाज में समानता और सशक्तिकरण की मजबूत पहचान है।

स्टेशनों पर प्रीमियम ब्रांड आउटलेट स्थापित करने हेतु विशेष कॉन्फ्रेंस का आयोजन

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के वाणिज्य विभाग द्वारा आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर में एक विशेष कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें देश और विदेश के प्रतिष्ठित खाद्य एवं रिटेल ब्रांडों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । इस सम्मेलन का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों पर प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट तथा कंपनी-स्वामित्व/संचालित सिंगल-ब्रांड प्रीमियम स्टोर्स की स्थापना के अवसरों पर विस्तृत चर्चा करना था, ताकि यात्रियों को आधुनिक हवाई अड्डों की तरह विश्वस्तरीय सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सकें ।लवे बोर्ड द्वारा कैटरिंग पॉलिसी 2017 में किए गए नवीन संशोधन के तहत प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट को कैटरिंग स्टॉल की नई श्रेणी के रूप में औपचारिक मान्यता प्रदान की गई है । इस नई व्यवस्था के साथ प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खाद्य ब्रांडों के कंपनी-स्वामित्व/संचालित या फ्रेंचाइज़ मॉडल के आउटलेट अब रेलवे कैटरिंग ढाँचे का हिस्सा बन सकेंगे । इसके अतिरिक्त, यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे स्टेशनों पर ट्रैवल एक्सेसरीज़, स्पोर्ट्स, परिधान, फुटवियर और अन्य वस्तुओं के लिए भी सिंगल-ब्रांड प्रीमियम स्टोर्स स्थापित किए जाएंगे, जिससे यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण और विविध उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकेंगे ।इतना ही नहीं, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपने क्षेत्र की विविध स्थानीय व्यंजनों को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है । क्षेत्रीय/स्थानीय खानपान एवं मिलेट्स आधारित लोकप्रिय खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देने के लिए स्टेशनों पर कॉम्पैक्ट मॉड्यूलर काउंटर्स स्थापित करने का प्रस्ताव भी इस पहल का हिस्सा है, जिससे स्थानीय उद्यमियों को अवसर मिलेगा और यात्रियों को स्थानीय स्वाद का अनुभव होगा ।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने इच्छुक प्रीमियम ब्रांडों से एक्सप्रेशन ऑफइंटरेस्ट (ईओआई) आमंत्रित किए हैं। ब्रांडों को अपने प्रस्ताव में स्टेशन विवरण, आवश्यक क्षेत्रफल, प्रस्तावित सेवाएँ, तकनीकी अनुभव तथा संचालन योजना जैसी जानकारियाँ प्रस्तुत करनी होंगी । स्टॉल आवंटन की पूरी प्रक्रिया ई-नीलामी के माध्यम से पारदर्शी और प्रतिस्पर्धात्मक ढंग से की जाएगी, जो किसी भी प्रकार के नामांकन आधारित आवंटन को समाप्त करती है। सभी स्टॉलों की अवधि पाँच वर्ष निर्धारित की गई है ।आज आयोजित कॉन्फ्रेंस में कोकाकोला, नेसकैफे, अमूल, हल्दीराम, मोतीमहल, बीकाजी, डोमिनोज, बर्गर किंग, बर्गर सिंह, सबवे, ब्रिटेनिया, पिज्जा हट, अरुण आइसक्रीम, लवज्जा कॉफी तथा अन्य राष्ट्रीय ब्रांडों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया । इसके साथ ही शहरों की पहचान बन चुके स्थानीय ब्रांड जैसे दुर्ग के श्री जलाराम और तृप्ति, रायपुर के चाय गोविंदम, तथा बिलासपुर के मौसाजी और एबीज़ा, गढ़ कलेवा और सीजी हर्बल ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई ।

ऑनलाइन सट्टा प्रकरण में पुलगांव पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पुलगांव पुलिस ने ऑनलाइन सट्टेबाजी में संलिप्त अन्य संभावित व्यक्तियों की भी तलाश शुरू कर दी है

दुर्ग। पुलगांव पुलिस ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा मामले में कार्रवाई करते हुए फरार आरोपी पवन तम्बूले (उम्र 26 वर्ष, निवासी शंकर नगर) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन जप्त किए गए हैं। इससे पहले इस केस में एक अन्य आरोपी टीकम बंजारे को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

कैसे फैला सट्टेबाजी का जाल – दिनांक 03 दिसंबर 2025 को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पुलगांव चौक के पास टीकम बंजारे नामक युवक अपने मोबाइल से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खेल रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने मोबाइल पर इंडिया बनाम साउथ अफ्रीका मैच में हार-जीत पर पैसे का दांव लगा रहा था।

मोबाइल की जांच में ऑनलाइन सट्टा ऐप और सट्टेबाजी के साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें टीकम ने अपने दोस्त पवन तम्बूले का नाम बताया। उसके अनुसार पवन तम्बूले ने ही उसे आईडी और पासवर्ड बनाकर उपलब्ध कराया था, जिसके जरिए ऑनलाइन सट्टा लगाया जा रहा था।

फरार आरोपी ऐसे चढ़ा पुलिस के हत्थे घटना के बाद मुख्य आरोपी पवन तम्बूले फरार हो गया था। पुलिस टीम ने उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी और अंततः उसे शंकर नगर मुक्तिधाम के पास से पकड़ा। आरोपी के पास से दो मोबाइल बरामद किए गए, जिनमें सट्टेबाजी से जुड़े तकनीकी साक्ष्य पाए गए। दोनों आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर पुलिस ने आगे की विवेचना शुरू कर दी है। पुलगांव पुलिस ने ऑनलाइन सट्टेबाजी में संलिप्त अन्य संभावित व्यक्तियों की भी तलाश शुरू कर दी है।

गाईडलाइन दरों को लेकर फैल रहे भ्रम पर राज्य सरकार ने दी व्यापक स्पष्टता

कांकेर सहित पूरे प्रदेश में सरल, वैज्ञानिक और पारदर्शी प्रणाली लागू

रायपुर । वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड छत्तीसगढ़ द्वारा स्वीकृत नई गाईडलाइन दरों को लेकर आमजन के बीच उत्पन्न हो रहे भ्रम को दूर करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने विस्तृत जानकारी जारी की है। शासन ने स्पष्ट किया है कि नई गाईडलाइन दरें न केवल अधिक सरल और वैज्ञानिक हैं, बल्कि इनके माध्यम से पुराने वर्षों से चली आ रही विसंगतियों का समाधान भी किया गया है। सरकार ने बताया कि कुछ स्थानों पर यह गलत भ्रम फैलाया जा रहा है कि गाईडलाइन दरों में अत्यधिक वृद्धि की गई है या दस्तावेज पंजीयन प्रक्रिया बाधित हो गई है, जबकि वास्तविक स्थिति यह है कि नवीन गाईडलाइन 20 नवंबर 2025 से प्रभावी हो चुकी है और इस अवधि में कांकेर जिले में लगभग 98 दस्तावेजों का पंजीयन सुचारू रूप से किया जा चुका है। जिले के सभी उप-पंजीयक कार्यालयों में पूर्ववत नियमित रूप से पंजीयन का कार्य जारी है। नगरीय क्षेत्रों में व्यापक सरलीकरण पूर्व में एक ही वार्ड में कई कंडिकाओं के कारण समान भौगोलिक और व्यावसायिक स्थिति होने के बावजूद दरों में अंतर पाया जाता था, जिससे नागरिकों में असंतोष था। नवीन सर्वे, भौतिक सत्यापन तथा युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के बाद इन कंडिकाओं को कम किया गया है और दरों को समान किया गया है। कांकेर नगर पालिका के 21 वार्डों में पहले 56 कंडिकाएं थीं, जिन्हें घटाकर 26 कर दिया गया है। इसी प्रकार नगर पंचायत चारामा, नरहरपुर, भानुप्रतापपुर, अंतागढ़ और पंखाजूर की कुल 253 कंडिकाओं को कम कर 105 किया गया है। सरकार का मानना है कि इससे गाईडलाइन अब अधिक पारदर्शी और वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित हो गई है। दर वृद्धि संबंधी भ्रांति का समाधान राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में अंतिम बार गाईडलाइन दरों का पुनरीक्षण वर्ष 2019-20 में किया गया था। छह वर्षों बाद किए जा रहे इस पुनरीक्षण में नगरीय क्षेत्रों में मात्र 20 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। यह वृद्धि स्वाभाविक और तार्किक है। यदि दरों को हर वर्ष बढ़ाया जाता, तो वर्तमान दरें कहीं अधिक होतीं। अतः अत्यधिक वृद्धि की बात निराधार है। ई-पंजीयन प्रणाली पूरी तरह सुचारू कुछ लोगों द्वारा यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि नई गाईडलाइन ऑनलाईन अपडेट न होने से दस्तावेज पंजीयन ठप हो गया है, जबकि तथ्य यह है कि जिले के सभी उप-पंजीयक कार्यालयों में पंजीयन का कार्य निर्बाध रूप से चल रहा है और किसी भी प्रकार की व्यवधान की स्थिति नहीं है। दर पुनरीक्षित न होने से होने वाली समस्याओं का उल्लेख सरकार ने कहा है कि पुरानी गाईडलाइन दरें जारी रहने से काले धन के लेनदेन को प्रोत्साहन मिलता है। कई बार वास्तविक सौदा मूल्य अधिक होने के बावजूद पंजीयन पुरानी गाईडलाइन दरों पर किया जाता है, जिसके कारण अंतर की राशि काला धन बनती है और बाद में विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है। इसी प्रकार पुरानी दरों के कारण संपत्तियों का मूल्यांकन कम होता है, जिससे खरीदारों को ऋण पात्रता भी कम मिलती है। मुआवजे के निर्धारण में भी विसंगतियां सामने आती हैं। सरकारी अधिग्रहण की स्थिति में पुराने दरों के आधार पर मुआवजा तय होने से भूमि मालिकों, विशेषकर किसानों को उनकी संपत्ति का उचित मूल्य नहीं मिल पाता। इसलिए नई गाईडलाइन दरें अधिक युक्तियुक्त और वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप हैं। आमजन से अपील राज्य शासन ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह या भ्रम में न आएं। गाईडलाइन दरों से संबंधित किसी भी सूचना या शंका के निराकरण के लिए नागरिक अपने निकटस्थ पंजीयन कार्यालय में संपर्क कर वास्तविक

कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक ली - विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण

खराब चावल की शिकायत आने पर कार्यवाही के दिए निर्देश

रायपुर । कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज समय-सीमा की महत्वपूर्ण बैठक लेते हुए विभिन्न विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में विशेष रूप से विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण , धान खरीदी व्यवस्था, जन दर्शन कॉल सेंटर से प्राप्त आवेदनों पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण के संबंध में कहा कि अगले चरण की सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली जाएँ। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विधानसभा क्षेत्रों की समग्र समीक्षा कर आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि पुनरीक्षण कार्य समयबद्ध और त्रुटिरहित रूप से संपन्न हो। बैठक में बीएलओ लक्ष्मी उईके को रेडक्रॉस सोसाइटी की तरफ से 40 हजार रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। गौरतलब है कि श्रीमती उईके पश्चिम विधानसभा बूथ क्रं. 65 की बीएलओ है जो एसाआई कार्य के दौरान दुपहिया वाहन के ठोकर लगने से घायल हो गई थी। बैठक में धान खरीदी की स्थिति पर भी विस्तृत चर्चा हुई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या न आए और खरीदी कार्य पूरी तरह सुव्यवस्थित, पारदर्शी और सुचारू रूप से संचालित हो। उन्होंने केंद्रों में व्यवस्था, सुविधाओं और भीड़ प्रबंधन को और मजबूत करने को कहा। खाद्य विभाग को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि कहीं भी खराब चावल अथवा गुणवत्ता की शिकायत प्राप्त होने पर उसकी तत्काल जानकारी संकलित कर जांच की जाए और शिकायत करने पर कड़ी कार्यवाही की जाए। उन्होंने गुणवत्ता संबंधी विषयों पर सख्ती बरतने को कहा। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में राशन दुकानों की नियमित जांच करें तथा वितरण व्यवस्था की निगरानी सुनिश्चित करें, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध हो सके।

छत्तीसगढ़ की गौरवशाली धातुकला को राष्ट्रीय पहचान

रायपुर । छत्तीसगढ़ की पारंपरिक धातुकला को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने वाली सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की प्रसिद्ध शिल्पकार हीराबाई झरेका बघेल को आज नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों की ओर से उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह सम्मान केवल हीराबाई झरेका बघेल का नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के हर शिल्पकार का सम्मान है। हमारा राज्य अपनी कला, संस्कृति और हस्तशिल्प पर गर्व करता है। राज्य सरकार कला-संरक्षण, प्रशिक्षण, कौशल उन्नयन और बाजार विस्तार के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है, ताकि ग्रामीण व वनवासी क्षेत्रों की प्रतिभाएं लाभान्वित हों और विश्व मंच पर अपनी पहचान बना सकें। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ग्राम पंचायत बैगीनडीह जैसे वनांचल क्षेत्र से निकलकर अपनी विशिष्ट शिल्पकला के माध्यम से देशभर में छत्तीसगढ़ की पहचान को नई ऊँचाइयाँ देने वाली बघेल की उपलब्धि हमारे प्रदेश की समृद्ध लोककला, परंपरा और ग्रामीण प्रतिभा की अद्भुत चमक को राष्ट्रीय मंच पर पुनर्स्थापित करती है। ढोकरा कला सदियों पुरानी धरोहर है, और बघेल जैसी शिल्प कलाकार इन परंपराओं को आधुनिक समय के अनुरूप जीवंत बनाए रखने का कार्य कर रही हैं।

एग्रीस्टैक पोर्टल में अब पंजीयन 15 दिसंबर तक , डुबान क्षेत्र, वन अधिकार पट्टाधारी और छुटे हुए किसान करा सकेंगे पंजीयन

कृषि मंत्री रामविचार के निर्देश पर हुई पंजीयन की तिथि में वृद्धि

रायपुर । किसान अपने रकबे और फसल आदि के बारे में जानकारी एग्रीस्टैक पोर्टल में अब 15 दिसम्बर तक दर्ज करा सकेंगे। कृषि विकास एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समिति लॉगिन की सुविधा के लिए सभी कलेक्टरों और संबंधित विभागों को दिशा-निर्देश जारी किए गए है। साथ ही कैरीफारवर्ड, डूबान-वन पट्टाधारी कृषकों के पंजीयन सुविधा के दृष्टिगत रखते हुए पंजीयन की तारीख को 15 दिसम्बर 2025 तक बढ़ा दी गई है।

गौरतलब है कि कृषि मंत्री राम विचार नेताम द्वारा एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन को लेकर आ रही विभिन्न दिक्कतों के मद्देनजर विभागीय अधिकारियों को इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करने निर्देश दिए गए थे। इस संबंध में मंत्रालय महानदी भवन से जारी पत्र में एग्रीस्टैक पोर्टल एवं एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन और तकनीकी समस्याओं के शीघ्र निराकरण के लिए तहसीलदारों एवं समितियों अंतर्गत कृषि विभाग के नोडल अधिकारियों से अपेक्षा की गई है। एग्रीस्टैक पोर्टल एवं एकीकृत किसान पोर्टल से संबंधित तकनीकी समस्या पर खाद्य विभाग, राजस्व विभाग, संचालनालय कृषि एवं एन.आई.सी. के समन्वय से सभी आवश्यक कार्यवाही की जाए।

गौरतलब है कि कुछ जिलों में पंजीयन विवरण में कुछ कृषकों के खसरों में एकीकृत किसान पोर्टल में फसल प्रविष्टि प्रदर्शित नहीं होने की जानकारी के साथ ही यह भी बताया गया था कि इसे सुधारने का विकल्प एकीकृत किसान पोर्टल के आईडी में उपलब्ध नहीं है। इसी प्रकार पंजीकृत कृषकों के फौत होने के पश्चात उनके वारिसानों हेतु वारिसान पंजीयन का विकल्प उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा महाल ग्रामों के खसरें का डाटा एग्रीस्टैक से नही मिलने की समस्या आ रही थी। इस समस्या के निराकरण के लिए कृषि विभाग द्वारा दिशा-निर्देश जारी कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधायक भैयालाल राजवाड़े के स्वास्थ्य लाभ की कामना की

रायपुर । रायपुर 9 दिसंबर 2025/मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर के सड्डू स्थित निजी अस्पताल पहुंचे और उपचाररत विधायक भैयालाल राजवाड़े से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री राजवाड़े के स्वास्थ्य की जानकारी चिकित्सकों से ली और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने चिकित्सकों को श्री राजवाड़े के बेहतर उपचार हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडे भी उपस्थित थे।

स्मृति पुस्तकालय योजना : शिक्षिका ने जिला प्रशासन को दान की पुस्तकें

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिले में स्मृति पुस्तकालय योजना का संचालन किया जा रहा है। इसके तहत डाइट अभ्यास शाला, शंकर नगर रायपुर की शिक्षिका प्रिया जोशी ने जिला प्रशासन को प्रतियोगी परीक्षा तथा इंग्लिश डिक्शनरी की 15 पुस्तकें दान की। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह यह पुस्तकें ग्रहण की तथा दानदाता को सम्मान पत्र प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की। जिले में 15 जुलाई से प्रारंभ इस योजना के तहत दानदाताओं द्वारा 6 हजार 200 से अधिक पुस्तकें दान में दी जा चुकी है। ये पुस्तकें जरूरतमंद के भविष्य निर्माण में लाभकारी साबित होगी। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे आगे आकर पुस्तक दान करें और ज्ञान के इस अभियान में सहभागी बनें। पुस्तकें एवं इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स दान करने के लिए लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता प्रभात सक्सेना।

शिक्षक निकला ड्रग सप्लायर! 93 नग नशीले इंजेक्शन के साथ गिरफ्तार

सूरजपुर। सरगुजा संभागीय आबकारी उडनदस्ता टीम ने सूरजपुर जिले में एक और सप्लायर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उमापुर पंडरीपानी निवासी खलेश्वर राम साहू से टीम ने कुल 93 नग नशीले इंजेक्शन बरामद किए हैं।

छह दिसंबर की शाम उडनदस्ता टीम थाना रामानुजनगर क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि खलेश्वर राम साहू अपने घर में भारी मात्रा में नशीला इंजेक्शन छिपाकर बिक्री कर रहा है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में टीम ने त्वरित दबिश दी। सरकारी वाहन और वर्दी देखकर आरोपित बाड़ी की ओर एक झोला लेकर भागने लगा, परंतु उसे दौड़ाकर पकड़ लिया गया। झोले की तलाशी में 93 नग नशीला इंजेक्शन बरामद हुआ। मौके पर ही उसे गिरफ्तार किया गया। आरोपित को न्यायालय सूरजपुर में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे जेल दाखिल करने के आदेश मिले। इस कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में आबकारी उपनिरीक्षक तेजराम केहरी, मुख्य आरक्षक रमेश दुबे, नगर सैनिक गणेश पांडे, ओमप्रकाश गुप्ता, महिला सैनिक राजकुमारी सिंह एवं अंजू एक्का का शामिल रहे। पूछताछ में खलेश्वर ने स्वीकार किया कि वह नशीले इंजेक्शन के प्रकरण में पहले भी दो बार जेल जा चुका है। उसने बताया कि यह इंजेक्शन उसने बैकुंठपुर निवासी पुष्पेंद्र से खरीदा था। पुष्पेंद्र के घर पर कल ही दबिश दी गई, लेकिन वह फरार हो गया। उसकी तलाश जारी है। पूछताछ में यह भी पता चला कि फरार आरोपी पुष्पेंद्र डेहरी-ऑन-सोन (बिहार) से नशीला इंजेक्शन लाकर सरगुजा क्षेत्र में सप्लाई करता है। साथ ही वह घर-घर जाकर निजी ट्यूशन भी पढ़ाता है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई

रायपुर । मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय स्थित सभागार में राज्य की योजनाओं की समीक्षा की गई। विकासशील ने सचिवों को निर्देशित किया कि अपने विभाग के लिए अगले तीन वर्षों की कार्ययोजना तैयार करें, ताकि प्रदेश में कुशलता के साथ और तीव्र गति से काम हो सकें। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य जनता के हित में सतत् कार्य करना है।

बैठक में वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल नवीन मद प्रस्तावों, योजनाओं और निर्माण कार्यों की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। लक्ष्य और उपलब्धि के आधार पर विभागवार प्रस्तुति भी दी गई। बैठक में केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के एसएनए-स्पर्श प्रणाली में ऑनबोर्डिंग व पेमेंट की अद्यतन स्थिति, प्रमुख योजनाओं की क्रियान्वयन प्रगति, नवीन मद के प्रस्तावों की स्थिति, वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के निर्माण कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति, तथा पूंजीगत व्यय की जानकारी सहित सभी प्रमुख बिंदुओं की गहन समीक्षा की गई। साथ ही बजट प्रावधान के विरुद्ध व्यय और ई-ऑफिस के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति पर भी विशेष चर्चा की गई।

इसके अलावा मुख्य सचिव ने आधार-सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली को विभागों में सही ढंग से लागू करने, ई-ऑफिस को संचालनालय के साथ-साथ जिला स्तर पर भी आगामी वर्ष में पूरी तरह सुचारु रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी विभागों के स्थापना प्रभारी यह सुनिश्चित करें कि द्र-॥क्रस्र पोर्टल पर सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण रूप से ऑनबोर्ड हो जाए। मुख्य सचिव ने निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी आवश्यक सुधारात्मक एवं प्रगतिशील कदम उठाने के निर्देश दिए। बैठक में सभी विभागों के प्रमुख सचिव, सचिव और संचालनालय स्तर के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आधार सक्षम बॉयोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली अनिवार्य, 10 दिसंबर से सख्ती से होगा पालन

रायगढ़ । जिला कार्यालय संयुक्त भवन, रायगढ़ में संचालित समस्त कार्यालयों एवं विभागों में पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आधार सक्षम बॉयोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है। यह व्यवस्था 10 दिसंबर 2025 से प्रभावशील होगी।

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित कार्यालयीन समय में अनिवार्य रूप से उपस्थिति दर्ज कराएंगे, साथ ही कार्यालयीन समय पश्चात वापसी के समय भी बॉयोमेट्रिक प्रणाली के माध्यम से अपनी उपस्थिति अंकित करना आवश्यक होगा। यदि किसी अधिकारी अथवा कर्मचारी द्वारा उपस्थिति दर्ज नहीं की जाती है तो उस दिन की उपस्थिति अनुपस्थित मानी जाएगी एवं नियमानुसार अवैतनिक अवकाश स्वीकृत किए जाने की कार्रवाई की जाएगी। अपर कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी अपूर्व प्रियेश टोप्पो ने बताया कि प्रातः 10:15 बजे तक उपस्थिति दर्ज होना अनिवार्य रहेगा। निर्धारित समय का पालन नहीं करने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने समस्त विभागों एवं कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उक्त निर्देशों से अवगत कराएं तथा आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

बीएलओ का स्वास्थ्य बिगड़ने पर कलेक्टर ने की त्वरित सहायता

फोन पर बात कर की विशेषज्ञ चिकित्सक के देख-रेख में इलाज की व्यवस्था

रायपुर । जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर) का कार्य पूर्णता की ओर है, जिला प्रशासन के कर्मचारियों से लेकर बीएलओ तक सभी समयसीमा में इस जिम्मेदारी को पूरा करने में जुटे हुए हैं। ऐसे में जब मैदानी अमला थोड़ा कमजोर पड़ा तो जिला प्रशासन ने तत्परता से संवेदनशीलता दिखाते हुए मदद का हाथ बढ़ाया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने, दो बीएलओ के स्वास्थ्यगत परेशानियों के बारे में सूचना मिलते ही स्वयं संज्ञान लेकर तत्काल प्रभाव से उन्हें आर्थिक एवं अन्य सहायता पहुंचाई। पश्चिम विधानसभा बूथ क्रं. 65 की बीएलओ लक्ष्मी उईके एसआईआर कार्य के दौरान दुपहिया वाहन से ठोकर लगने से घायल हो गई थी। घायल होने की सूचना मिलते ही कलेक्टर डॉ. सिंह के निर्देश पर श्रीमती उईके के बेहतर इलाज की व्यवस्था की गई। साथ ही कलेक्टर की पहल पर उईके की रेडक्रॉस सोसाइटी की तरफ से 40 हजार रूपए की आर्थिक सहायता भी की गई। एक अन्य प्रकरण में रायपुर नगर उत्तर भाग संख्या 116 की बीएलओ अंजली श्रीवास्तव को चिकित्सीय मदद पहुंचाई गई। एसआईआर कार्य के दौरान श्रीवास्तव की तबीयत बिगड़ने की सूचना अधिकारियों के माध्यम से कलेक्टर डॉ. सिंह को मिली। स्वमेय संज्ञान लेते हुए डॉ. सिंह ने प्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट से संपर्क कर श्रीवास्तव के इलाज की व्यवस्था कराई। त्वरित सहायता, आर्थिक मदद एवं इमोशनल सपोर्ट के लिए श्रीमती उईके एवं श्रीमती श्रीवास्तव तथा उनके परिवार ने कलेक्टर डॉ. सिंह का आभार जताया है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

संसद में राहुल के आरोपों की हवा कैसे निकली?

संसद में एक बार फिर चुनाव आयोग पर सवाल उठे। प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फि र सरकार पर वोट चोरी का आरोप लगाया, एक बार फि र नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा करने का आरोप लगाया, पर बीजेपी की तरफ से निशिकांत दुबे ने राहुल को करारा जवाब दिया। उनके एक-एक आरोप की हवा निकाल दी। राहुल गांधी पूरी तैयारी के साथ आए थे। संसद में टी-शर्ट के बजाय खादी का कुर्ता पायजामा पहनकर पहुंचे। पहले खादी पर एक लंबा लैक्चर दिया, फिर अपने सारे पुराने आरोप दोहराए। लेकिन एक भी नई बात नहीं कही। सारे आरोप पुराने थे। निशिकांत ने पूरे तथ्यों के साथ, पूरे आत्मविश्वास के साथ ज़ोरदार तरीके से राहुल गांधी के आरोपों का बिंदुवार जवाब दिया।

नदिया की धार

यह नदिया की धार नहीं,
जीवन की है सांस
इसका काम
चलते ही जाना
बिना रुके,
बिना थके,
बिना किसी शोर के।

पत्थरों से टकराकर भी
हंसना जानती ।
अपनी ही लय में,
अपनी ही धुन में
बहना जानती ।

प्यासे खेतों की हथेली पर
ठंडा स्पर्श रखती ,
सूखे होंठों पर
बूंद बनकर मुस्कुराती ।

पेड़ों की जड़ों से पूछो
कैसे छुपकर
रस की सीढ़ियां उतरती ,
कैसे जीवन के भीतर
जीवन रचती ।

नदी जानती
रुकना खत्म हो जाना ।
बहना ही अस्तित्व ,
बहना ही पहचान ।

यही उसकी पुकार
जो ठहर गया,
वह मर गया।
जो बहता रहा,
वही जीवन कहलाया।

नदिया की यह दौड़
जीतने के लिए नहीं,
सिर्फदेने के लिए
देते-देते ही
समुद्र तक जाना
फिर बादल बनकर
आकाश से लौट आना है।

यह नदिया की धार नही
जीवन की सांस ।
इसका काम
चलते ही जाना ज
चलते ही जाना है।

- संजीव ठाकुर ।

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp

Modimaya_ Vaidik_Netritva

Rashtriya Ekta

DLF-Vadra-Bhrasht Tantra

Silent Assassins Jan11,1966

Accursed & Jihadi Neighbour

संघ का सनातन एवं प्रकृति–दर्शन : वैश्विक चेतना का आह्वान

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

भारत की सांस्कृतिक चेतना की जड़ में पंचमहाभूतों की जीवन-व्यवस्था है-भूमि, जल, अग्नि, वायु और आकाश का संतुलन ही भारतीय ज्ञान-तंत्र की आत्मा है। ''भगवान'' शब्द के अक्षरों में निहित पंचतत्त्वों का सार यही दर्शाता है कि भारतीय जीवन-दर्शन में भगवान कोई बाहरी सत्ता नहीं, बल्कि प्रकृति और संस्कृति का सुसंगठित योग है। यही दृष्टि सनातन कहलाती है, नित्य प्रवाहमान, पुनर्जननशील, अविनाशी। जब भारत का जीवन इसी तत्त्वदृष्टि से संचालित था, तब वह न केवल आर्थिक रूप से बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी विश्व-गुरु था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में यह विचार और भी प्रासंगिक हो उठता है कि संघ का अस्तित्व ही सनातन जीवन-शैली की पुनर्स्मृति, पुनर्रचना और पुनर्स्थापना का प्रयत्न है। संघ नेतृत्व विशेषकर सरसंघचालक श्री मोहन भागवत की दृष्टि इस मूल दर्शन की आधुनिक व्याख्या है-÷भारत की पहचान धर्म से है और धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि वह जीवन-शैली है, जिसमें प्रकृति, समाज, संस्कृति और आत्मा का संतुलन हो।'' उनकी यह बात भारत की वैदिक चेतना को वर्तमान विश्व-यथार्थ में स्थापित करती है।

संघ के शताब्दी वर्ष का समय केवल एक संगठनात्मक उत्सव नहीं बल्कि भारत की सनातन जीवन पद्धति के पुनरुत्थान का क्षण है। संघ सरचालक श्री मोहन भागवत बार-बार यह कहते रहे हैं कि भारत का अस्तित्व किसी राजनीतिक ढांचे से नहीं बल्कि उसकी प्रकृति और संस्कृति के अखंड योग से बना है। भारतीय जीवन का यह सत्य पंचमहाभूतों के योग में निहित है, जिनसे सृष्टि बनी और जिनकी गति को भगवान कहा गया। मोहन भागवत का दृष्टिकोण इस सत्य को आधुनिक भाषा में समझाता है कि सनातन केवल कोई धर्म नहीं बल्कि वह जीवन-तंत्र है जो मानव और प्रकृति के संतुलन से चलता है। भारतीयता प्रकृति-पूजक है और संस्कृति को उसी प्रकृति की लय पर निर्मित करती है।

आज की दुनिया युद्ध, आतंक, प्रतिस्पर्धा और पकर्यावरणीय संकट से त्रस्त है। मानव की भूख केवल संसाधन और उपभोग तक सीमित होने से जीवन तनाव, प्रदूषण और अव्यवस्था का पर्याय बनता जा रहा है। यही पश्चिमी दुनिया की शोषणकारी दृष्टि रही जिसने प्रकृति पर नियंत्रण को प्रगति माना, जबकि भारत की दृष्टि पोषण और सहअस्तित्व की थी। मोहन भागवत कहते हैं कि भारत का मार्ग ÷सबका हित और सबके साथ÷ पर आधारित है, क्योंकि भारतीय समाज ने प्रकृति को माता माना और संस्कृति को उसका स्वरूप। यह वही दृष्टि है जिसमें धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष जीवन के चार आयाम हैं; जहां मोक्ष की चाह लालच रहित आनंद में है और जीवन को आरोग्य बनाना ही संस्कृति का प्रमुख लक्ष्य है। संघ का जीवन यही संदेश देता है कि व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और विश्व तभी स्वस्थ होंगे जब मानव प्रकृति के साथ समरस जीवन जिएगा।

आज जब राष्ट्रवाद को भौतिक शक्ति से मापा जा रहा है, तब मोहन भागवत इसके आध्यात्मिक स्वरूप को स्पष्ट करते हैं। राष्ट्र उनके लिए भू-भाग ही नहीं, बल्कि स्मृति, संस्कृति, प्रण और परंपरा का जीवंत व्यक्तित्व है। वे कहते हैं कि भारत की शक्ति उसकी विविधता और सामंजस्य में है, और सनातन इसलिए सनातन है क्योंकि वह पुनर्जननशील है; वह कभी समाप्त नहीं होता क्योंकि उसका आधार प्रकृति है। यही कारण है कि संघ की जीवन शैली में ग्राम विकास, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य आधारित आहार-विहार, चरित्र निर्माण और संतुलित व्यवहार को स्थान दिया गया। गांव, गौ-संवर्धन, हस्तशिल्प, लोक-जीवन, जैविक खेती, नदी-पुनरुद्धार, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं आत्मनिर्भर भारत-ये नीतियां आधुनिक रूप में ''भू-सांस्कृतिक मानचित्र'' की पुनर्स्थापना हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जीवन दृष्टि को आधुनिक शासन में उतारा है। योग का विश्वदिवस घोषित होना, आयुर्वेद का पुनर्धर्म, ÷माई लाइफ़ माई योगा÷, ÷पंचामृत÷, ÷लोकल टू ग्लोबल÷, ÷वोकल फॉर लोकल÷, जी-20 की भारतीय दर्शन आधारित थीम ÷वसुधैव कुटुम्बकम÷, मिशन लाइफ़ प्राकृतिक खेती, पारंपरिक चिकित्सा मंत्रालय, मंदिरों का पुनर्जीवन, सांस्कृतिक आत्मविश्वास का उदय-ये सब उस सनातन दृष्टि के शासन रूप हैं जिसे संघ वर्षों से साधता आया है। मोदी के नेतृत्व में भारत की राजनयिक भूमिका आध्यात्मिक भाषा में उभर रही है, जहां युद्ध की भाषा की जगह सहजीवन की भाषा है, प्रतिस्पर्धा की जगह सहयोग की भूमिका है। मोहन भागवत कहते हैं कि ÷भारत को दुनिया में नेतृत्व अपने धर्म से मिलेगा, किसी वर्चस्व से नहीं।÷ यही धर्म प्रकृति और संस्कृति के संतुलन का वह सिद्धांत है जिसने भारत को दार्शनिक राष्ट्र बनाया।

आज दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, महामारी, अकेलापन, मानसिक तनाव और युद्ध के बीच टूट रही है। पश्चिमी विज्ञान समाधान के लिए रोबोट, जीन इंजीनियरिंग या डिजिटल कृतक जीवन की ओर जा रहा है, जबकि भारतीय अध्यात्म कहता है कि समाधान भीतर है, प्रकृति के साथ है, समरस संस्कृति के साथ है। यही संघ का कथन है कि ÷मानव को मनुष्य बनाना ही राष्ट्र निर्माण है।÷ संघ का जीवन तंत्र व्यक्ति में यह भरोसा जगाता है कि वह सृष्टि से जुड़ा है, पंचमहाभूतों का अंश है, और उसका धर्म है कि वह प्रकृति और समाज दोनों का पोषण करे। संघ की शाखाओं में हर प्रार्थना ÷नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे÷ यह स्मरण दिलाती है कि भारत माता केवल प्रतीक नहीं बल्कि प्रकृति और संस्कृति का योग है, जिसे जीना ही सनातनता है। संघ के लिए सनातन केवल अतीत का गौरव नहीं, बल्कि आधुनिक मनुष्य के लिए नैतिक और सामाजित अनुशासन की ऊर्जा है। संघ स्वयंसेवक जब शाखा में प्राणायाम, सूर्यनमस्कार, योगासन और सामूहिक भाव-विन्यास करते हैं, तो वे भारतीय संस्कृति के मूल सूत्र ''प्रकृति-संस्कृति योग'' को साधते हैं।

मोहन भागवत यह भी कहते हैं कि भारत का मार्ग किसी पर थोपने का नहीं है बल्कि जगत को दिखाने का है कि शांति, समृद्धि और संतोष कैसे प्राप्त हो सकते हैं। उनके वक्तव्यों में स्पष्ट है कि सनातन जीवन-पद्धति ''ग्रहण और उपभोग'' नहीं बल्कि सहजीवन और पोषण सिखाती है। एक ओर पश्चिमी मॉडल शोषण, नियंत्रण का जीवन देता है, विज्ञान भी वहां सत्ता का औजार है; दूसरी ओर सनातन दर्शन अध्यात्म और विज्ञान को पूरक बनाता है, भौतिकी को आध्यात्मिक चेतना से संचालित करता है। यही अंतर भारत और विश्व को दिशा देता है। उनकी दृष्टि में भारत की समस्याओं का समाधान शिक्षा प्रणाली के पुनर्संयोजन में है, जिसमें ज्ञान केवल तकनीक न हो बल्कि जीवन विद्या हो। वे कहते हैं कि यदि भारत प्रकृति आधारित संस्कृति को पुनर्जीवित करेगा तो आरोग्य, आनंद और मोक्ष की दिशा में एक नई मनुष्यता जन्म लेगी। यह केवल भारत के लिए नहीं बल्कि विश्व के लिए समाधान है क्योंकि विश्व के संकट का मूल मानव और प्रकृति के बीच का विभाजन है।

आज संघ का शताब्दी वर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है कि यह भारत के सनातन पुनरुत्थान का ऐतिहासिक मोड़ हो सकता है। संघ की जीवन शैली-साधारणता, संयम, समर्पण, समाज-धर्म, अनुशासन, सेवा और आत्मपरिष्कार, यह प्रकृति आधारित संस्कृति की आधुनिक अभिव्यक्ति है। और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शासन, संघ के जीवन तंत्र को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित करने का राजनीतिक-राजनयिक रूप है। इसलिए आज के हिंसा और युद्धग्रस्त विश्व के लिए भारत का संदेश स्पष्ट है कि समाधान हथियार से नहीं, जीवन दर्शन से होगा; विकास भौतिक उपभोग से नहीं, समरस संस्कृति से होगा; और भविष्य उस सभ्यता का है जो प्रकृति को माता और संस्कृति को सृष्टि का धर्म मानकर चलती है। सनातन जीवन दृष्टि केवल विश्वास नहीं, बल्कि मानवता के लिए जीवंत प्रस्ताव है। संघ सरचालक मोहन भागवत का आग्रह इसी पर है कि भारत को अपने अक्षय ज्ञान पर पुनर्विश्वास करना होगा, क्योंकि वही वह शक्ति है जो संकटग्रस्त विश्व को दिशा दे सकती है। जब प्रकृति और संस्कृति का योग जीवन का आधार बनता है, तब व्यक्ति आरोग्यवान, समाज समृद्ध और राष्ट्र मोक्षपथगामी होता है। यही सनातन समृद्धि है और यही भारत का वैश्विक योगदान है, जिसकी उद्घोषणा संघ के शताब्दी वर्ष में अधिक स्पष्ट होती है कि ÷विश्व बंधुत्व, प्रकृति सम्मान और मोक्ष-केंद्रित जीवन, यही भविष्य की सभ्यता है।÷ **यह निजी विचार है।**

कांग्रेस की समस्या और बढ़ेगी

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है। यह उसकी एक बड़ी समस्या है। इसमें कोई संदेह नहीं हो सकता है। कांग्रेस के आलाकमान के कमजोर होने की जो धारणा बनी है और सही धारणा बनी है, उसका कारण यह है कि कांग्रेस चुनाव नहीं जीत रही है। 2014 से पहले जब तक कांग्रेस चुनाव जीत रही थी, केंद्र में उसकी सरकार थी और एक दर्जन राज्यों में कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों की सरकार थी, तब तक जैसे भी थे राहुल गांधी बहुत मजबूत थे। वे अपने हिसाब से फैसले करते थे और किसी को भी नेता, मंत्री बना देने में सक्षम थे। लेकिन जब से चुनाव हारने का सिलसिला शुरू हुआ तब से उनकी शक्ति का ह्रास होता गया है और अब ऐसी स्थिति आ गई है कि पार्टी के क्षत्रप अपनी मनमानी कर रहे हैं। हालांकि इसमें कोई नई बात नहीं है। जब पार्टी के सर्वोच्च नेता का करिश्मा चूक जाए और वह चुनाव नहीं जीता सके तो उसकी ताकत कम होती ही है। भाजपा में लालकृष्ण आडवाणी के साथ भी ऐसा ही हुआ था।

लेकिन कांग्रेस की एकमात्र समस्या यह नहीं है कि चुनाव नहीं जिता पाने की वजह से कांग्रेस आलाकमान कमजोर हुआ है। यह उसकी कई समस्याओं में से एक समस्या है। ध्यान रहे भारतीय जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी और समाजवादियों पार्टियों का लंबे समय तक चुनाव हारने का इतिहास रहा है। लेकिन उनके नेतृत्व को लेकर कभी उस तरह से सवाल नहीं उठे, जैसे कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व यानी राहुल गांधी को लेकर उठ रहे हैं। चुनाव हारने वाली पार्टियों के भविष्य पर वैसी चिंता भी नहीं हुई, जैसी कांग्रेस को लेकर हो रही है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि कांग्रेस में राजनीति करने वाले लोगों की कमी हो गई है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने या अखिलेश यादव से लेकर ममता बनर्जी जैसे प्रादेशिक क्षत्रपों ने राजनीति को 24 घंटे का काम बनाया है। राहुल गांधी और उनके नेतृत्व वाली कांग्रेस यह काम नहीं कर पा रही है।

कह सकते हैं कि कांग्रेस की तमाम समस्याओं के मूल में यह कारण है कि उसके यहां राजनीति करने वाले लोग कम हो गए हैं। इस बात को ऐसे भी कह सकते हैं कि राहुल गांधी ने अपने आसपास बड़ी संख्या में अराजनीतिक लोगों को इकट्ठा कर लिया है। उनके सलाहकार, जिसे कोटरी कहते हैं, उसके सदस्य हों या उनकी ओर से राज्यों में नियुक्त किए गए नेता हों, उनमें बड़ी संख्या अराजनीतिक लोगों की है, जिनके साथ कांग्रेस के पुराने राजनीति करने वाले नेता तालमेल नहीं बैठा पा रहे हैं। बिहार में प्रभारी महासचिव कृष्णा अल्लावरू के साथ यही हुआ तो झारखंड के प्रभारी के राजू और तेलंगाना की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन के साथ भी यही हो रहा है। महाराष्ट्र में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के साथ यही समस्या है तो बिहार के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के साथ भी यही समस्या है। हिमाचल प्रदेश में नए प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार के साथ यही समस्या आने वाली है। सोचें, सोनिया गांधी के साथ अहमद पटेल, दिग्विजय सिंह, जनार्दन द्विवेदी, मोतीलाल वोरा, एके एंटनी जैसे राजनीति करने वाले लोग थे तो राहुल गांधी के साथ सचिन राव, अलंकार सवाई, मनोज त्यागी, कौशल विद्यार्थी, कृष्णा अल्लावरू, मीनाक्षी नटराजन, हर्षवर्धन सपकाल जैसे निजी सहयोगी या सलाहकार हैं! एक तरफ ऐसे अराजनीतिक लोग हैं तो दूसरी ओर हाइपर एक्टिव डीके शिवकुमार, सिद्धारमैया, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सचिन पायलट, अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, रेवंत रेड्डी जैसे नेता हैं। इनका राहुल की टीम के साथ कैसे तालमेल बनेगा?

राहुल गांधी ने अपनी इनर टीम की पुरानी सदस्य मीनाक्षी नटराजन को तेलंगाना का प्रभारी बना कर भेजा है। उनके जाने पर कांग्रेस के नेता पहले तो बड़े खुश हुए लेकिन अब सब परेशान हैं। वे तेलंगाना में पदयात्रा कर रही हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि उनका काम रणनीति बनाने का होना चाहिए, राजनीति करने का नहीं। यह सही है कि वे गांधीवादी तरीके से काम कर रही हैं लेकिन इससे व्यावहारिक राजनीति प्रभावित हो रही है। जुबली हिल्स विधानसभा का उपचुनाव लड़ना था तो कांग्रेस ने जितनी तिकड़म की उससे नटराजन खुश नहीं थीं। सबको पता है कि दक्षिण के सभी राज्यों की राजनीति पैसे के दम पर चलती है। लेकिन मीनाक्षी नटराजन को प्रदेश कांग्रेस का बेहिसाब पैसा बहाना या अजहरूद्दीन को विधान परिषद में भेज कर मंत्री बनाना पसंद नहीं आया। इसी तरह बिहार में कृष्णा अल्लावरू कांग्रेस के वेतनभोगी कर्मचारी की तरह राजनीति करते रहे हैं। वे विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बिहार पहुंचे थे। ऐसे में उन्होंने कांग्रेस के तमाम पुराने नेताओं को साथ लेकर चुनावी राजनीति करनी थी तो उन्होंने उलटे पुराने नेताओं को न सिर्फ हाशिए में डाला, बल्कि उन सबको नाराज कर दिया। उसके बाद भी अगर वे बेहतर गठबंधन और सीट बंटवारा करा पाते तो मान लिया जाता कि वे अच्छे रणनीतिकार हैं। लेकिन गठबंधन और सीट बंटवारे दोनों में उन्होंने कांग्रेस का भट्ठा बैठा दिया।

एक समय था कि सोनिया गांधी के नजदीकी नेताओं और सलाहकारों की टीम के प्रति देश भर के कांग्रेस नेताओं के मन में सम्मान होता था। वे उनसे डरते भी थे। लेकिन अब राहुल गांधी की टीम मजाक का विषय है। उनकी एक 'जय जगत' टीम की चर्चा होती है, जिसके नेता सचिन राव बताए जाते हैं। इस टीम के नेता जाति, धर्म, धनबल, बाहुबल आदि से ऊपर उठ कर राजनीति करने के समर्थक बताए जाते हैं। अच्छी बात है। महात्मा गांधी साध्य की तरह साधन को भी पवित्र मानते थे। लेकिन क्या आज की राजनीति में ऐसा करना संभव और व्यावहारिक है? यह भी सवाल है कि राहुल गांधी जब 20 साल तक पुराने ढंग की राजनीति कर चुके तो अब गांधी मार्ग अपना कर क्या वे कांग्रेस का भला कर पाएंगे?

बहरहाल, कांग्रेस के सामने भाजपा के साथ साथ 24 घंटे राजनीति करने वाले प्रादेशिक क्षत्रपों की भी चुनौती है। उनसे निपटने के लिए राहुल गांधी नए और अराजनीतिक लोगों की टीम बना रहे हैं। कह सकते हैं कि कई बार खास किस्म की राजनीति से उब जाने के बाद लोग दूसरा विकल्प पसंद करते हैं। लेकिन भारत में अभी वैसी राजनीति का समय नहीं आया है। दूसरी बात यह है कि धीरे धीरे कांग्रेस पार्टी में ऐसे नेताओं की कमी होती जा रही है, जो अखिल भारतीय राजनीति समझते हैं या देश के हर राज्य में एक राजनीतिक असर रखते हैं। उनकी जगह लेने के लिए दूसरी कतार के नेता जल्दी सामने नहीं आते हैं तो कांग्रेस की समस्या और बढ़ेगी। **यह निजी विचार है।**

वंदे मातरम : अतीत की शक्ति, वर्तमान का आधार, भविष्य की प्रेरणा

लेखक :प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश

भारत के इतिहास, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना में यदि किसी एक उद्घोष ने सर्वाधिक ऊर्जा, एकता और आत्मगौरव का संचार किया है, तो वह है ÷वंदे मातरम÷। यह केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा की वह धड़कन है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम के कठिनतम क्षणों में लाखों देशभक्तों को शक्ति, साहस और नैतिक दृढ़ता प्रदान की। फांसी के तख्ते पर चढ़ते हुए वीरों के होंठों पर यही मंत्र था, जेल की यातनाओं को सहते स्वतंत्रता सेनानियों का संबल भी यही रहा। आज यह राष्ट्र की सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय एकता का अमर प्रतीक है- ऐसा प्रतीक जिस पर न विवाद होना चाहिए, न विभाजन, बल्कि केवल आदर और समर्पण।

वंदे मातरम् का इतिहास केवल साहित्यिक नहीं, बल्कि क्रांतिकारी है। उन्नीसवीं शताब्दी में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत 1905 के बंग-भंग आंदोलन के समय जन-क्रांति की धमनी बन गया। इसने बिखरी हुई राष्ट्रीय चेतना को एक सूत्र में बांधा और भारतीयों में स्वाधीनता का विश्वास जगाया।1905 से 1947 तक का पूरा स्वाधीनता संघर्ष इस उद्घोष से ऊर्जा पाता रहा।सत्याग्रहियों के लिए यह सत्य और निर्भीकता का प्रतीक बना;युवाओं के लिए यह समर्पण और नेतृत्व का मार्गदर्शक;और आम भारतीयों के लिए यह देशभक्ति का भावनात्मक स्रोत।कई सेनानी जेल जाते समय, लाठियाँ खाते समय और फांसी चढ़ते समय भी यही उद्घोष बोलते रहे-÷वंदे मातरम।÷ यह अतीत की वह शक्ति थी, जिसने गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का संकल्प जन-जन में जगाया।

आज का भारत तकनीक, रक्षा, विज्ञान, अर्थव्यवस्था और कूटनीति आदि विविध क्षेत्रों में विश्व पटल पर तेज़ी से उभर रहा है। लेकिन आधुनिक विकास के इस दौर में सामाजिक जिम्मेदारी, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है।यह विभिन्न भाषाओं, धर्मों और परम्पराओं को एक साझा भारतीय पहचान में पिरोता है।यह भारत की प्रकृति– नदियों, वनों, खेतों, धरती और मातृभूमि के सौंदर्य का काव्यमय उत्सव है, जो भौतिकतावादी युग में भी संवेदनाओं को जीवित रखता है।

भ्रष्टाचार, पर्यावरण संकट, सामाजिक असमानता और नैतिक विचलन के दौर में यह उद्घोष नागरिक कर्तव्य, अनुशासन और राष्ट्रधर्म की याद दिलाता है।विशेषतः युवाओं के लिए वंदे मातरम् जड़ों से जुड़ने का मार्ग है। यह बताता है कि आधुनिकता का अर्थ अपनी पहचान खो देना नहीं, बल्कि उसे और मजबूत बनाना है।

भविष्य का भारत तकनीकी रूप से अत्याधुनिक होगा, लेकिन उसकी आत्मा भारतीयता में ही रची-बसी रहेगी। वंदे मातरम् उसी भारतीयता का शाश्वत प्रतीक है। एक ऐसी प्रेरणादायक ध्वनि, जो समय, परिस्थितियों और पीढ़ियों की सीमाओं से परे है।आने वाले समय में जब भारत वैश्विक मंच पर संस्कृति, ज्ञान, शांति और मानवता के आधार पर नेतृत्व करेगा, तब यह उद्घोष और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगा क्योंकि उस समय यह याद दिलाएगा कि राष्ट्रभक्ति किसी धर्म या जाति की नहीं, बल्कि भारत की साझा विरासत है।

काशी तमिल संगमम् 4.0 के अंतर्गत तमिलनाडु से काशी पहुंचा पांचवां दल, डमरू वादन और पुष्पवर्षा के बीच हुआ स्वागत

काशी तमिल संगमम् 4.0 में थंजावुर की पारंपरिक 'थलैयाट्टी बोम्मई' कला ने मोहा मन

पीआईबी

काशी तमिल संगमम् 4.0 में नमो घाट पर चल रही प्रदर्शनी में स्टॉल संख्याङ्क28 'थंजावुर थलैयाट्टी बोम्मई' पारंपरिक हस्तशिल्प प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस स्टॉल के संचालक श्री हरि प्रसंथ बूपाथी, जो तमिलनाडु के थंजावुर से आए हैं, पहली बार वाराणसी पहुंचे हैं और अपने साथ दक्षिण भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत लेकर आए हैं।

थलैयाट्टी बोम्मई (हिलने-डुलने वाली गुड़िया) का यह पारंपरिक शिल्प उनके परिवार की छठी पीढ़ी द्वारा संरक्षित और संवर्धित किया जा रहा है। यह कला पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही है और आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी है। श्री हरि प्रसंथ बूपाथी इन गुड़ियों का अमेरिका, कनाडा सहित कई देशों में

निर्यात करते हैं।

इन पारंपरिक गुड़ियों की विशेषता यह है कि ये थंजावुर के बृहदीश्वर मंदिर की स्थापत्य शैली से प्रेरित हैं और उसी की तरह आपदा-प्रतिरोधक (डिजास्टर प्रूफ) मानी जाती हैं। मुख्य रूप से ये गुड़ियां राजाङ्करानी की आकृतियों पर आधारित होती हैं, जो दक्षिण भारतीय संस्कृति और शाही परंपरा को जीवंत रूप में प्रस्तुत करती हैं। श्री हरि प्रसंथ बूपाथी न केवल व्यवसाय में अग्रणी हैं, बल्कि कला के प्रसार में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे स्कूलों, कॉलेजों में कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करते हैं तथा केंद्र सरकार के हस्तशिल्प प्रशिक्षण मंच पर सरकारी मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण केंद्र भी संचालित करते हैं। उनका संपूर्ण व्यवसाय क्च2क्च मॉडल पर आधारित है और वे थंजावुर में इस कला के प्रमुख उद्यमियों में गिने जाते हैं। काशी तमिल संगमम् 4.0 के दौरान उनके स्टॉल पर आने वाले दर्शक और पर्यटक इन गुड़ियों को देखकर अत्यंत उत्साहित नज़र आए और बड़ी संख्या में लोग इस अनूठी कला के प्रति आकर्षित हुए।

विश्वास निर्माण : भारत के बैंकिंग क्षेत्र को सशक्त बनाने की यात्रा

पीआईबी

मुख्य बिंदु भारत में बैंकिंग गतिविधियों में उल्लेखनीय मजबूती आई है। वर्ष 2015 और 2025 के बीच स्वदेशी जमाएं और ऋण लगभग 3 गुना बढ़ चुके हैं। इस दौरान जमाएं 88.35 लाख करोड़ रुपए से बढ़ कर 231.90 लाख करोड़ रुपए हो गईं। ऋण भी 66.91 लाख करोड़ रुपए से बढ़ कर 81.34 लाख करोड़ रुपए हो गया।

गैरनिष्पादित परिसंपत्तियां 2018 में 11.46 प्रतिशत के सबसे ऊंचे स्तर पर थीं जो 2025 में 2.31 प्रतिशत रह गई हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की लाभप्रदता भी मजबूत हुई है। उनका शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2022-23 में 1.05 लाख करोड़ रुपए था जो 2024-25 में बढ़ कर 1.78 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की मजबूत आय जारी है। उनका शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2022-23 में 2.63 लाख करोड़ रुपए था जो 2024-25 में 4.01 लाख करोड़ रुपए हो गया।

परिचय किसी भी राष्ट्र की आर्थिक शक्ति के मूल में उसकी वित्तीय स्थिरता होती है। भारतीय बैंकों के लिए यह अटल सत्य है। विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, भारत का वित्तीय क्षेत्र एक जीवंत और गतिशील ताकत के रूप में उभरा है। यह देश की विकास की आकांक्षाओं और निवेश की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है।

पिछले ढाई दशकों में भारत के बैंकिंग तंत्र में उल्लेखनीय सुधार परिवर्तन आया है। यह एटीएम के जाल के शुरुआती दिनों से आरटीजीएस, एनईएफटी, आईएमपीएस और क्रांतिकारी यूपीआई के उदय तक का सफर पूरा कर चुका है। अब यह डिजिटल मुद्रा तक अपने पैर पसार रहा है। लगातार नवोन्मेष के इस सफर ने भारतीयों के लेनदेन, बचत और निवेश के तौर-तरीकों को एक नया स्वरूप दिया है। मौजूदा समय में बैंकिंग क्षेत्र पूंजी और तरलता के ठोस सुरक्षित भंडार, संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार और संवहनीय लाभप्रदता के साथ ज्यादा मजबूत स्थिति में है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) और अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) की जीवंतता उनकी उच्च गुणवत्ता वाली पूंजी, ऋण हानियों में कमी और ठोस लाभार्जन में प्रतिबिंबित होती है।

इससे विपरीत स्थितियों का सामना करते हुए वित्तीय प्रगति की उनकी क्षमता का पता चलता है।

संकट से विश्वास तक- भारतीय बैंकिंग का नया चेहरा

2009 में खत्म हुए वैश्विक वित्तीय संकट के बाद भारत के मजबूत राजकोषीय और मौद्रिक प्रोत्साहन इसके प्रभाव को घटाने में मददगार रहे। लेकिन बाद के वर्षों में बैलेंस शीट की दोहरी समस्या का उभार दिखाई दिया। कॉरपोरेट अत्यधिक ऋणग्रस्त थे और कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा था। लेकिन इसके बाद जो कुछ हुआ उसने चुनौती को अवसर में बदल दिया और भारत विश्व की चोटी की 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया।

पिछले 10 वर्षों में 'अच्छे संकट को कभी बेकार नहीं जाने दें' के मंत्र पर चलते हुए गंभीर ढांचागत सुधार शुरू किए गए जिनका उद्देश्य वित्तीय तंत्र की दीर्घकालिक मजबूती और स्थिरता को बहाल करना था। मौजूदा समय में भारतीय बैंक एक दशक पहले की तुलना में काफी ज्यादा परिपक्व हो चुके हैं।

बैंक जमा और ऋण (स्वदेशी) 2015 और 2025 के बीच 3 गुना हो चुके हैं। जमाएं 88.35 लाख करोड़ रुपए से बढ़ कर 231.90 लाख करोड़ रुपए हो गईं। इसी तरह, ऋण भी 66.91 लाख करोड़ रुपए से बढ़ कर 181.34 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गए।

संचित पूंजी भी मजबूत हुई है। पूंजी-से-जोखिम भारित संपत्तियां (सीआरएआर) मार्च, 2015 में 12.94 प्रतिशत से बढ़ कर मार्च, 2025 में 17.36 प्रतिशत हो गईं। सीआरएआर पूंजी की पर्याप्तता का पैमाना होती है। इसी दौरान किसी बैंक की सर्वाधिक गुणवत्तापूर्ण पूंजी को दर्शाने वाली संयुक्त इक्विटी श्रेणी 1 (सीईटी-1) भी 9.98 प्रतिशत से ऊपर उठते हुए 14.81 प्रतिशत तक पहुंच गई।

परिसंपत्ति की गुणवत्ता में भी सुधार आया है। सकल गैरनिष्पादित संपत्तियां (जीएनपीए) और शुद्ध गैरनिष्पादित संपत्तियां (एनएनपीए) मार्च, 2018 में क्रमशः 11.18 प्रतिशत और 5.94 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर पहुंच गई थीं। लेकिन मार्च, 2025 में ये घट कर 2.2 प्रतिशत और 0.5 प्रतिशत के स्तर पर आ गईं।

बैंकों की लाभप्रदता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2017-18 और 2024-25 के बीच परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (आरओए) -0.22 से बढ़ कर 1.37 हो गया। इसी तरह, इक्विटी पर प्रतिफल (आरओई) भी -2.74 प्रतिशत से बढ़ कर 14.09 प्रतिशत पर पहुंच गया।

एनपीए में गिरावट: गुणवत्ता में सुधार कोई संपत्ति गैरनिष्पादित (एनपीए) तब होती है जब उससे बैंक को आय होना बंद हो जाए। एनपीए से लाभप्रदता में कमी आती है। बैंकों को डूबे हुए ऋण की भरपाई के लिए ज्यादा पूंजी आवंटित करनी पड़ती है। इससे ऋण देने के लिए धन की तंगी पैदा होने से कुल मिला कर आर्थिक विकास प्रभावित होता है। स्वदेशी कामकाज पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार एससीबी से दिया गया सामूहिक सकल ऋण 31 मार्च, 2008 को 23.34 लाख करोड़ रुपए था जो 31 मार्च, 2014 को 61.01 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस दौरान ऋण देने की आक्रामक रणनीतियों, कर्ज चुकाने में जानबूझ कर चूक, घोटालों और आर्थिक मंदी जैसे मुख्य कारणों की वजह से एनपीए में वृद्धि हुई। 31 मार्च, 2014 की स्थिति के अनुसार एससीबी की संकटग्रस्त परिसंपत्तियां उनके ऋण खाते का 9.8 प्रतिशत और पुनर्संमायोजित कर्ज 5.7 प्रतिशत था। स्वच्छ और पूरी तरह व्यवस्थित बैंक बैलेंस शीट के लिए 2015 में शुरू की गई परिसंपत्ति गुणवत्ता समीक्षा (एक्यूआर) से उच्च गैरनिष्पादित परिसंपत्तियों का पता चला। एक्यूआर और इसके बाद बैंको के पारदर्शी स्वीकरण के परिणामस्वरूप संकटग्रस्त खातों का एनपीए के रूप में पुनर्वर्गीकरण किया गया। संकटग्रस्त ऋण पर अपेक्षित घाटे का आकलन किया गया। पुनर्संमायोजित ऋण को लचीलापन दिए जाने के अंतर्गत पहले इसकी व्यवस्था नहीं थी। इसके बाद बैंकों का जीएनपीए अनुपात बढ़ने लगा और 2018 में 11.18 प्रतिशत के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। जीएनपीए अनुपात बैंकों की परिसंपत्ति की गुणवत्ता का पैमाना है। स्वदेशी कामकाज पर आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार मुख्यतः संकटग्रस्त संपत्तियों को पारदर्शी ढंग से एनपीए माने जाने के परिणामस्वरूप एससीबी का सकल एनपीए 31 मार्च, 2014 को 251054 करोड़ रुपए (सकल एनपीए अनुपात 4.1 प्रतिशत) से बढ़ कर 31 मार्च, 2018 को 962621 करोड़ रुपए (सकल एनपीए अनुपात 11.46 प्रतिशत) के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। सरकार की स्वीकरण, समाधान, पुनः पूंजीकरण और सुधारों की रणनीति के परिणामस्वरूप सकल एनपीए घट कर 31 मार्च, 2025 तक 273413 करोड़ रुपए (सकल एनपीए अनुपात 2.79 प्रतिशत) हो चुका था। स्वदेशी कामकाज पर आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार एससीबी में सकल ऋण के प्रतिशत के रूप में पुनर्संमायोजित मानक परिसंपत्तियों समेत संकटग्रस्त परिसंपत्तियां 31 मार्च, 2014 में 9.8 प्रतिशत से घट कर 31 मार्च, 2025 को 3.55 प्रतिशत हो गईं।

इसके अलावा, जीएनपीए अनुपात में 2018-19 से लगातार सुधार आया और यह 2025 के मार्च के अंत तक पिछले 20 वर्षों के न्यूनतम स्तर 2.31 तक पहुंच गया। इसकी वजह मजबूत वृहत आर्थिक मूलतत्व रहे जिससे भारतीय बैंकिंग और गैरबैंकिंग वित्तीय क्षेत्रों को मजबूती मिली। मजबूत बफर प्रावधान से एनएनपीए अनुपात भी 2018 के अपने उच्चतम स्तर 6.1 प्रतिशत से गिरते हुए पिछले 20 वर्षों के अपने न्यूनतम 0.52 प्रतिशत पर आ गया। लाभप्रदता के संकेतों और एनपीए अनुपात में लगातार सुधार जारी रहने और पूंजी पर्याप्तता अनुपात मजबूत होने के परिणामस्वरूप रूझान सकारात्मक बने हुए हैं।

अग्निवीर में चयनित युवाओं का सम्मान

जिला पंचायत सभापति जागृति चुन्नी यदु सहित जनप्रतिनिधियों ने पहनाई पुष्पमाला,शाल भेंटकर किया सम्मानित

राजनांदगांव /डोगरगांव। क्षेत्र के दो युवाओं त्रिलोचन वर्मा और लिकेश कुमार साहू का भारतीय सेना के अग्निवीर भर्ती में चयन होने पर ग्राम में हर्ष का वातावरण रहा। इस अवसर पर ग्रामवासी एवं जनप्रतिनिधियों ने मिलकर सम्मान समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजनांदगांव जिला पंचायत सभापति श्रीमती जागृति चुन्नी यदु, डोगरगांव जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजीता पड़ोती, भाजपा मंडल अध्यक्ष जागेश्वर यादव, हेमू साहू प्राधिकृत अधिकारी दीवान भेंड़ी सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ग्राम के गणमान्य नागरिक पुरुषोत्तम वर्मा, केशव बघेल, भुनेश्वर वर्मा, दिनेश वर्मा, दास वर्मा, साबित राम वर्मा, लोटन वर्मा, सेवक बघेल, खेमूराम वर्मा,तारस साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने दोनों चयनित युवाओं को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति श्रीमती जागृति चुन्नी यदु ने शाल भेंटकर,पुष्पमाला पहनाकर एवं आरती उतारकर अग्निवीर चयनित युवाओं का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि– ÷यह उपलब्धि केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाने वाली है। दोनों युवा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।÷ समारोह में उपस्थित जनप्रतिनिधियों तथा ग्रामीणों ने त्रिलोचन वर्मा और लिकेश कुमार साहू को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल करियर की कामना की।

भारत की सिनेमाई विरासत का संरक्षण, राष्ट्रीय फिल्म विरासत मिशन ने 1,469 फिल्मों का डिजिटलीकरण किया

एजेंसी

अब तक 1,469 फिल्मों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है, जिनकी कुल अवधि 4.3 लाख मिनट है। इनमें फीचर फिल्में, लघु फिल्में और वृत्तचित्र शामिल हैं। डिजिटलीकृत और पुनर्स्थापित फिल्मों का संरक्षण भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार द्वारा किया जाता है और ये उनकी वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। भारत सरकार बांग्ला सहित सभी भारतीय भाषाओं में फिल्म निर्माताओं को सहायता प्रदान करती है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय फिल्म सामग्री के विकास, संचार एवं प्रसार (डीसीडीएफसी) नामक अपनी योजना के माध्यम से फिल्मों के निर्माण और प्रचार के लिए वित्तीय और अन्य सहायता प्रदान करता है। इससे क्षेत्रीय फिल्मों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचने में मदद मिलती है।

यह आधुनिक युग में भी हमारे प्राचीन सांस्कृतिक मूल्यों की महत्ता को दर्शाता है

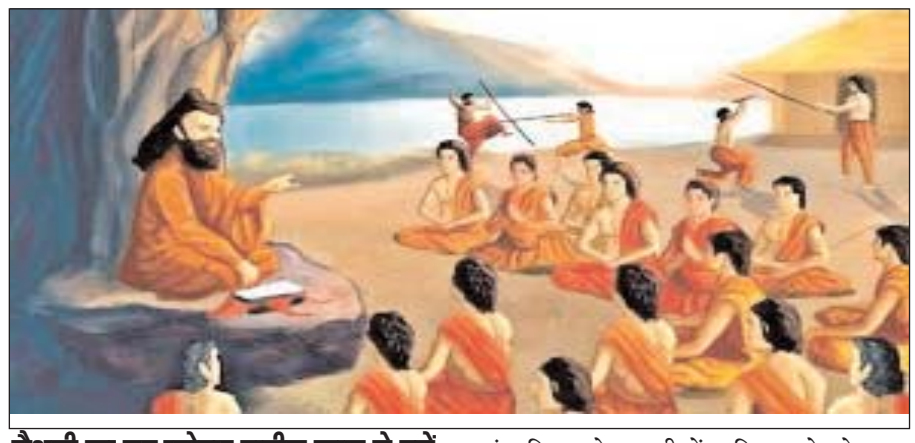

रौशनी का यह त्योहार प्राचीन काल से हमें अच्छाई और धर्म की विजय में विश्वास दिलाता आया है

यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि अब यह वैश्विक कल्याण को प्रेरित करेगा

पीआईबी

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में शामिल जाने को भारत के लिए गर्व का क्षण है। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने ङ्क पर एक पोस्ट में कहा, ÷यह भारत के लिए गर्व का क्षण है कि दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में शामिल किया गया है। यह आधुनिक युग में भी हमारे प्राचीन सांस्कृतिक मूल्यों की महत्ता को दर्शाता है। रौशनी का यह त्योहार प्राचीन काल से हमें अच्छाई और धर्म की विजय में विश्वास दिलाता आया है। यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि अब यह वैश्विक कल्याण को प्रेरित करेगा।÷

रायपुर : राज्यपाल ने शहीद वीर नारायण सिंह को दी श्रद्धांजलि
राज्यपाल ने शहीद वीर नारायण सिंह को दी श्रद्धांजलि

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दिल्ली मेट्रो अभियान शुरू किया

पीआईबी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से सुल्तानपुर मेट्रो स्टेशन पर महिलाओं और लड़कियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण पर एक माह की दिल्ली मेट्रो अभियान की शुरुआत की। 10 दिसंबर 2025 से 10 जनवरी 2026 तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य मेट्रो ट्रेनों और चुनिंदा स्टेशनों पर प्रदर्शित संदेशों के माध्यम से लाखों यात्रियों तक पहुंचना है। इन संदेशों में महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण के महत्व पर प्रकाश डाला गया है; डिजिटल विभाजन को कम करना; महिलाओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य सहायता की पहुंच में सुधार करना; प्रसवोत्तर रोग निवारण एवं बाल रोग निवारण और तपेदिक के बारे में जागरूकता फैलाना शामिल है।

इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव श्रीमती पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने कहा कि महिलाओं के स्वस्थ होने के बिना कोई भी परिवार या राष्ट्र सही मायने में प्रगति नहीं कर सकता। महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। दिल्ली मेट्रो के इस अभियान के माध्यम से हम इस संदेश को

व्यापक जनसमुदाय तक पहुंचाना चाहते हैं। यह संदेश को सीधे लोगों तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है।

उन्होंने यह भी बताया कि टीबी जागरूकता, डिजिटल विभाजन को कम करने, गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसी एंड पीएनडीटी) अधिनियम, 1994 और अन्य प्रमुख मुद्दों पर संदेश मेट्रो के डिब्बों के अंदर और बाहर दोनों जगह प्रदर्शित किए गए हैं।

लिंग निर्धारण और चयन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीकों की बढ़ती सुलभता पर बोलते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि पहले लोग भ्रूण का लिंग निर्धारित करने के लिए अल्ट्रासाउंड पर निर्भर थे। अब इसी उद्देश्य के लिए नई तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इन प्रथाओं को बंद करना होगा और लोगों को इसके प्रति जागरूक करना आवश्यक है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन, दक्षिण पूर्व एशिया की प्रभारी अधिकारी डॉ. कैथरीना बोहेम ने कहा कि इस मेट्रो स्टेशन पर कुछ यात्राएं समाप्त होती हैं और कुछ शुरू होती हैं। आज लैंगिक हिंसा के खिलाफ 16 दिनों के अभियान का अंतिम दिन है। और जैसे ही यह अभियान समाप्त होता है, एक नया अभियान शुरू होता है। हमें महिलाओं और लड़कियों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए दिल्ली मेट्रो अभियान शुरू करते हुए गर्व हो रहा है, जो दो सरल और चिरस्थायी सत्यों पर आधारित है: स्वस्थ महिलाएं = स्वस्थ राष्ट्र, और क्योंकि वह महत्वपूर्णहै।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

नागरिक शब्द स्वयं भारतीयता की पहचानः एसपी विजय कुमार पाण्डेय

फाउंडेशन के शपथ ग्रहण समारोह में हुए शामिल

जांजगीर चांपा / आज दिनांक को चांपा नगर के विश्रामगृह में छत्तीसगढ़ नागरिक सुरक्षा फाउंडेशन के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चांपा श्री विजय कुमार पाण्डेय थे। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती आरती सिंह, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस चांपा, थाना प्रभारी चांपा तथा चांपा क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने अपने प्रभावशाली उद्बोधन में कहा कि *÷नागरिक ÷* शब्द स्वयं में एक भारतीयता की पहचान है यह शब्द जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र से ऊपर उठकर एकता, भारतीयता का संदेश देती है और सुरक्षा' का व्यापक अर्थ–शरीर, मन और समाज की रक्षा है।उन्होंने सुरक्षा को आधुनिक संदर्भ में स्पष्ट करते हुए कहा कि सुरक्षा केवल शारीरिक हमलों से बचाव नहीं, बल्कि व्यक्ति को नशा, गलत संगत, मोबाइल के दुरुपयोग तथा नैतिक पतन से बचाने वाली मानसिक सुरक्षा भी है । जब व्यक्ति का मन सुरक्षित होगा, जब हमारा मन में अच्छे विचार होंगे तभी उसका परिवार और समाज सुरक्षित होगा।

नशा–बंदी एवं काउंसलिंग की आवश्यकता /

पुलिस अधीक्षक ने समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की और फाउंडेशन को नशा पीड़ितों की काउंसलिंग का दायित्व निभाने की प्रेरणा दी उन्होंने कहा कि जांजगीर -चांपा की 12 लाख जनसंख्या पर पुलिस बल कम संख्या में कार्यरत है। अतः हर विवाद और हर समस्या में पुलिस की भौतिक उपस्थिति संभव नहीं ऐसी स्थिति में नागरिक फाउंडेशन एक मजबूत सेतु बनकर कार्य करे। फाउंडेशन के सदस्यों को समाज के पीड़ितों, जरूरतमंदों और घरेलू/सामाजिक विवादों में समन्वयक एवं संवेदनशील सहयोगी की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

समय बैंक का अनूठा सामाजिक मॉडल /

अपने भाषण में पुलिस अधीक्षक ने 'समय बैंक' की अवधारणा को विशेष रूप से रेखांकित किया।

उन्होंने कहा–यदि हर नागरिक प्रति सप्ताह एक-दो घंटे समाज के हित में श्रमदान करे–स्वच्छता, पर्यावरण, ट्रैफिक जागरूकता, पौधारोपण, पीड़ित सहायता आदि–तो वह समय समय बैंक में जमा माना जाएगा।

एक दिन वही समय किसी जरूरत के क्षण में आपके खाते से आपके लिए काम आएगा।यह समाज के लिए समय का एक परोपकारी निवेश है, जिसकी गिनती वर्षों तक एक सामाजिक पूंजी के रूप में की जा सकती है। उन्होंने सभी नागरिकों से हर रविवार सार्वजनिक श्रमदान में भाग लेने की अपील की।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि फ ाउंडेशन के सदस्य अपराध प्रवृत्ति वाले व्यक्तियों को सकारात्मक गतिविधियों व रोजगार से जोड़ने में मदद करे समाज की सामाजिक विषमताएं, कुरीतियां, और तनाव कम करना भी फाउंडेशन का दायित्व है। नागरिक संगठन और पुलिस मिलकर जांजगीर-चांपा जिले को नशामुक्त, सुरक्षित और सद्भावपूर्ण बनाने की दिशा में कार्य करें। कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधीक्षक ने सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और कहा की आपके प्रत्येक कदम से समाज में सुरक्षा, सहयोग और सकारात्मक परिवर्तन की रोशनी फैले।सभी नए पदाधिकारियों को मुख्य अतिथि द्वारा हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी गईं। उपरोक्त कार्यक्रम में फाउंडेशन के पदाधिकारी डॉक्टर धनेश्वरी जागृति शिवेंद्र प्रताप सिंह गोपाल मित्तल संगीता पांडेय, अन्नपूर्णा सोनी, अर्चना देवांगन, कल्याणी केसरवान श्रीमती विद्या राठौर, गौरव तिवारी, प्रदीप यादव अमरजीत सिंह सलूजा, दीपक गुप्ता ,महावीर सोनी उपस्थित थे।

शिवरीनारायण पुलिस ने छापा मारकर जुआ खेल छ : जुआरियों को पकड़ा

नगदी रकम 22100 रूपये एंव 52 पत्ती तास बरामद

जांजगीर चांपा /

पड़रिया खार में छापा मारकर शिवरीनारायण पुलिस ने छः जुआरियों को पकड़ा है । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि

पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में जिले में जुआ सट्टा खिलाने एवं खिलाने के विरुद्ध जांजगीर चांपा पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में थाना शिवरीनारायण पुलिस द्वारा ग्राम पड़रिया खार में रेड कार्यवाही कर जुआरियो को पकड़ा जिसके विरुद्ध जुआ अधिनियम के तहत विधिवत करवाई की गई । पकड़े गए आरोपीयों में वासुदेव साहू पिता रामजी साहू उम्र24 वर्ष निवासी कुमारी थानारी जिला बलौदाबाजार , बहादुर प्रसाद कैवर्त पिता स्वर्गी रामचरण कैवर्त उम्र 58 वर्ष निवासी अमलीडीहा थाना बिलाईगढ़ जिला सारंगढ, रवि सागर पिता प्रहलाद सागर उम्र 36 वर्ष निवासी कुमारी थानारी जिला बलौदाबाजार,भुवन केवट पिता छोटू केवट उम्र 28 वर्ष निवासी देवरहा थाना बिलाईगढ़ जिला सारंगढ बिलाईगढ़, इतवारी केवट पिता फिरन केवट उम्र 24 वर्ष निवासी अमलडीहा थाना बिलाईगढ़, महेश कुमार साहू पिता पुनिराम साहू उम्र 33 वर्ष निवासी कुम्हारी थाना किधरौरी जिला बलौदा बाजार शामिल है ।

इस सम्पूर्ण कार्यवाही में निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी , सउनि रामप्रसाद बघेल, प्रधान आर. सुधीर साहू, आर. प्रवीण साहू. नितिन द्विवेदी, राजेश कश्यप, बेदराम पटेल, विवेक ठाकुर, दिनेश चौहान, शिव रायसागर का विशेष योगदान रहा है।

छत्तीसगढ़ में नवीन गाइडलाइन दर तथा उपबंध लागू

जांजगीर–चांपा /

छत्तीसगढ़ राज्य में अचल (स्थावर) संपत्ति के बाजार मूल्य निर्धारण हेतु छत्तीसगढ़ बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांतों का बनाया जाना और उनका पुनरीक्षण नियम 2000 प्रचलित था, उक्त प्रक्रियाओं को सरलीकरण करते हुए राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ गाइडलाइन दरों का निर्धारण नियम, 2000 लागू किया गया है।

जिला पंजीयक श्री चित्रसेन पटेल ने बताया कि कार्यालय महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक छ0ग0 रायपुर के द्वारा छत्तीसगढ़ गाइडलाइन दरों का निर्धारण नियम, 2000 के प्रावधानों के तहत् उप जिला/जिला मूल्यांकन समितियों से प्राप्त, स्थावर संपत्तियों के बाजार मूल्य निर्धारण से संबंधित गाइडलाइन दर वर्ष 2025-26 को केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड छ0ग0 रायपुर द्वारा अनुमोदित किया जाकर 20 नवम्बर 2025 से संपूर्ण छत्तीसगढ़ में लागू की गई है। उन्होंने बताया कि विगत 7-8 वर्षों से गाइडलाइन दरों में वृद्धि नहीं किये जाने के कारण, संपत्तियों के वास्तविक मूल्य एवं गाइडलाइन दर असंतुलित हो गया था। जिसे संतुलित करने हेतु वार्डों के परिसीमन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विकसित ग्राम, मुख्यमार्ग, अन्यमार्ग आदि को दृष्टि से मुख्य मार्ग, अन्य मार्ग तथा एक समान क्षेत्रों का समूहीकरण करते हुए दरों को रेशनलाईज किया गया है। जिससे कि किसानों को उनके भूमि का वास्तविक दर अनुसार मुआवजा मिल सके तथा आम जनता को वास्तविक मूल्य अनुसार हाउसिंग लोन की राशि मिल सके।

जनहितैषी सुधार कर किया गया नई गाइडलाइन दरों को लागू –

शहरी क्षेत्र हेतु - नगरीय निकाय क्षेत्रों के दरों में असमानता होने के कारण मुख्यमार्ग तथा अन्यमार्ग के आमने-सामने के दरों में समानता रखी गई है। पूर्व प्रचलित गाइडलाइन में नगरी निकायों के वार्डो हेतु निर्धारित अनावश्यक कंडिकाओं को विलोपित कर, क्षेत्र अनुसार सुनियोजित ढंग से वार्डाँ में कंडिकाओं का इस प्रकार समायोजित किया गया है, जिससे कि आम जनता भी अपने संपत्ति का बाजार मूल्य जान सके। स्वीकृत अभिविन्यास दर निर्धारण हेतु एचआईजी, एमआईजी एवं एलआईजी वर्गों में विभाजित कर, एक समान वर्ग के एक दर प्रस्तावित किया गया है।

नगर पालिका परिषद जांजगीर-नैला के वार्ड क्रमांक 8 के कंडिका 1 में चांपा रोड़ (लिंक रोड़) में मुख्यमार्ग का दर 26,000 रू. तथा वार्ड क्रमांक 17 के कंडिका 1 में चांपा रोड़, लिंक रोड़ से हसदेव मुख्य नहर तक, में मुख्यमार्ग का दर 22,800 रु. प्रति वर्ग मीटर दर निर्धारित था। जो कि पृथक-पृथक वार्ड में एक ही रोड़ के आमने-सामने स्थित था। जिसमें एक समान क्षेत्र के दरों में एकरूपता की दृष्टि से एक दर निर्धारित

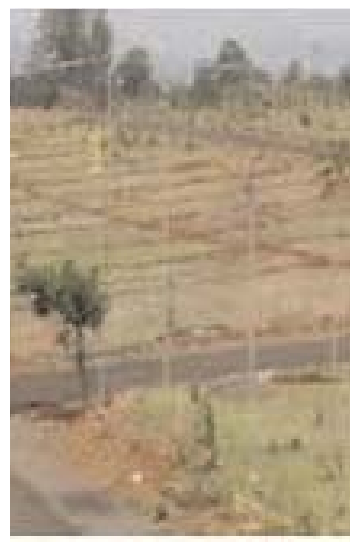

किया गया है। नगर पालिका परिषद चांपा अंतर्गत पूर्व प्रचलित गाइडलाइन में वार्ड क्रमांक 5 महादेव वार्ड में 02 कंडिकाएं थी, जिसमें मुख्यमार्ग के अंदर (20 मीटर पश्चात) का दर क्रमशः 12,480 रू. 7880रु. दर निर्धारित था। जिससे उक्त वार्ड में 20 मीटर पश्चात् स्थित संपत्ति का पंजीयन होने पर दर ओवरलैपिंग की स्थिति निर्मित होती थी तथा पक्षकार हमेशा 7880 रू. की दर को सही मानेगा, क्योंकि दोनों कंडिकाओं के रोड़ से अंदर होने से स्थिति सही हो जाती थी। वर्तमान नई गाइडलाइन में वार्ड क्रमांक 5 महादेव वार्ड के 02 कंडिकाओं में 20 मीटर पश्चात् स्थित संपत्ति के लिए एक समान दर रखी गई है। जिससे दर ओवरलैपिंग की समस्या दूर हुई है। ठीक इसी प्रकार की समस्या वार्ड क्रमांक 06, 10, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26 एवं 27 में था, जिसे वास्तविक स्थिति अनुसार कंडिकाओं को समायोजित किया गया है।

ग्रामीण क्षेत्र हेतु -

ग्रामीण क्षेत्रों में मुख्यमार्ग तथा अन्य मार्ग में स्थित एक समान प्रकार भूमि के दरों में असमानता होने के कारण मुख्यमार्ग तथा अन्यमार्ग के आमने-सामने के दरों में समानता रखी गई है। ग्रामों का समूहीकरण कर समान महत्व वाले ग्रामों को वर्गीकृत किया जाकर, प्रत्येक समान वर्ग के ग्रामों के लिए एक समान दर निर्धारित करने का प्रयास किया गया है। तथा ग्रामों से होकर गुजरने वाली सड़कों के दोनों ओर स्थित ग्रामों के दर में समानता रखी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में वर्गमीटर दर को समाप्त कर, प्रत्येक ग्राम में केवल स्वीकृत अभिविन्यास हेतु पृथक से प्रति वर्ग मीटर की दर निर्धारित की गई है। किसानों एवं आम जनता को उनके संपत्ति (भूमि) के वास्तविक मूल्य अनुसार लाभ प्राप्त हो, बाजार मूल्य दरों को संतुलित करने हेतु तथा नई गाइडलाइन दर में जनहितैषी युक्तियुक्त करण/संशोधन कर, लागू की गई है। जो कि किसानों तथा आम जनता के हितकर साबित होगी।

अवैध धान पर जिला प्रशासन सख्त, लगातार की जा रही कार्रवाई

केरा एवं शिवरीनारायण में अवैध धान जप्त

जांजगीर–चांपा कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में धान परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज तहसील शिवरीनारायण अंतर्गत ग्राम केरा एवं शिवरीनारायण नगर में संयुक्त टीम द्वारा छापामार कार्रवाई की गई।

जांच के दौरान ग्राम केरा स्थित मनीष ट्रेडर्स से 75 कट्टी (30 क्विंटल) धान तथा शिवरीनारायण स्थित विनय जनरल स्टोर से 42 कट्टी (16 क्विंटल) धान अवैध रूप से संग्रहित पाए गए। टीम ने कुल 117 कट्टी (46 क्विंटल) धान जप्त कर मंडी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि अवैध धान की खरीदी-बिक्री, परिवहन और भंडारण पर सतत निगरानी रखी जा रही है तथा नियम विरुद्ध गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सूनेपन का फायदा उठाकर छेड़छाड़ के आरोपी को शिवरीनारायण पुलिस ने पकड़ा

जांजगीर चांपा / सूनेपन का फायदा उठाकर छेड़छाड़ के आरोपी को शिवरीनारायण पुलिस ने पकड़ा है ।मामले का विवरण इस प्रकार है कि पीड़िता द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 6 दिसंबर 2025 को वह अपने घर के कमरा में अकेली थी , तभी आरोपी संजय कुमार खूंटे निवासी लोहरसी द्वारा घर अंदर घुस बेइज्जती करने के नीयत पीड़िता को छेड़छाड़ करने लगा जिसकी सूचना पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। थाना शिवरीनारायण पुलिस द्वारा महिला पर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए आरोपी संजय कुमार खुंटे को पकडा गया जिसको पूछताछ करने जुर्म स्वीकार किये जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी थाना प्रभारी शिवरीनारायण, प्रआर तारिकेश पांण्डेय, आरक्षक नितिन द्विवेदी थाना शिवरीनारायण का सराहनीय योगदान रहा।

नाबालिक बालिका का पीछा करने वाले आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर चांपा / नाबालिक बालिका को अश्लील इशारा करते हुए पीछा करने के आरोपी युवक को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि आरोपी रत्ना कश्यप निवासी पचेड़ा द्वारा नाबालिक बालिका को पीछा करते हुए अश्लील इशारा किया जिसकी सूचना रिपोर्ट पर दिनांक 8 दिसंबर 25 को आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। नाबालिक बालिका पर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में थाना जांजगीर पुलिस द्वारा विवेचना दौरान आरोपी को पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक माणिकांत पांडे एवं थाना स्टाफका सराहनीय योगदान रहा।

कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्र सिवनी (च) का किया निरीक्षण

जांजगीर–चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज सिवनी (च) स्थित धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण कर पूरी व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने धान की नमी की जांच की तथा खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी और सुचारु रखने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने खरीदी केन्द्र प्रभारी को अलग-अलग किस्मों के धान की स्टैकिंग अलग-अलग रखने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने यह सुनिश्चित करने को कहा कि किसानों को टोकन संबंधी किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि अवैध धान की खरीदी किसी भी स्थिति में न की जाए और केवल पंजीकृत किसानों से ही धान लिया जाए।निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र में किसानों के लिए मूलभूत सुविधाएँ पीने का पानी, बैठने की व्यवस्था, साफ-सफाई और छाया एवं अन्य सुविधाओं का अवलोकन किया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम चांपा श्री पवन कोसमा सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

एक साल से फरार चल रहे छेड़छाड़ के आरोपी को अकलतरा पुलिस ने पकड़ा

जांजगीर चांपा / एक साल से फरार चल रहे छेड़छाड़ के आरोपी को अकलतरा पुलिस ने पकड़ा है । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि नाबालिग पीडिता को आरोपी द्वारा बेइज्जती करने की नियत से उसे छेड़छाड़ किया था और इंस्ट्राग्राम के माध्यम से मेसेज किया था जिसकी सूचना रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध थाना अकलतरा में दिनांक 28 मार्च 2024 को अपराध क्रमांक 168/2024 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया था।

आरोपी घटना घटित कर फरार चल रहा था जिसकी अकलतरा पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में लगातार पातासाजी की जा रही थी। इसी कड़ी में अकलतरा पुलिस को सायबर तकनीकी के माध्यम से पता चला कि महाराष्ट्र तरफहै। आरोपी की पता हेतु थाना अकलतरा स्तर से टीम गठीत कर आरोपी मुसलिम शेख निवासी टाटरी पुरलिया पश्चिम बंगाल को जिला नागपुर (महाराष्ट्र) से पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ किया गया जो जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है।

उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक भास्कर शर्मा थाना प्रभारी अकलतरा, म.प्र.आर स्वाती गिरोलकर, आरक्षक राजा रात्रे का योगदान रहा।

प्रधान जिला न्यायाधीश, कलेक्टर ने किया जिला जेल का निरीक्षण

जांजगीर–चांपा / माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गये निर्देशानुसार बोर्ड आफविजिटर्स के द्वारा जिला जेल जांजगीर का निरीक्षण प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जांजगीर चांपा श्री शक्ति सिंह राजपूत, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जांजगीर श्री मनोज कुमार कुशवाहा, कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे की उपस्थिति में किया गया। निरीक्षण के दौरान उप पुलिस अधीक्षक श्री उदयन बेहार, अधीक्षक श्री डी.डी. टोडर उप जेल, अधिवक्ता लीगल एट डिफेंस काउंसिल श्री विष्णु प्रसाद अग्रवाल, पैरा लीगल वालेंटियर श्री लक्ष्मी प्रसाद जायसवाल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान बंदियों को दी जाने वाली विधिक सहायता के संबंध में जिला जेल लीगल एड क्लिनिक की व्यवस्थाओं, जेल में स्थापित व्हीसी कक्ष, जेल बिल्डिंग की व्यवस्था, बैरकों के निर्माण, मुलाकात कक्ष, बंदियों को प्रदत सुविधा, टॉयलेट की व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता, शिकायत पेटी, पेयजल की व्यवस्था, बंदियों की कपड़ा की दशा, प्राथमिक चिकित्सा व्यवस्था के साथ-साथ बंदियों के प्रकरण में आने वाली समस्याओं के संबंध में जायजा लिया गया।

रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में मरीजों के लिए न्यूरोसर्जन, यूरो सर्जन एवं नेफ्रोलॉजी डॉक्टर की सुविधा

रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में मरीजों के लिए न्यूरोसर्जन, यूरो सर्जन एवं नेफ्रोलॉजी डॉक्टर की सुविधा

रायगढ़। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य के तरक्की और सुशासन के सफर में स्वास्थ्य सुविधाओं का भी विस्तार लगातार हो रहा है। इसी दिशा में स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय रायगढ़ में दिवंगत अधिष्ठाता डॉ विनीत जैन के द्वारा किए गए प्रयासो के उपरांत शहर के सुप्रसिद्ध न्यूरोसर्जन डॉ नितीश नायक ,यूरोसर्जन डॉ के.डी. खरे एवं नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. मीना पटेल सप्ताह में एक दिन चिकित्सा परामर्श देकर इलाज करेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपस्थिति को रायगढ़ मेडिकल कालेज में आने वाले मरीजों के लिए लाभदायक बताया है। उन्होंने कहा कि शासन का प्रयास है कि लोगों को उनके शहरों और गांवों के आसपास ही बेहतर और उच्च चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हों ताकि उन्हें इलाज के लिए लंबी दूरी न तय करनी पड़े और त्वरित तथा बेहतर इलाज से उन्हें स्वास्थ्य लाभ मिले। अस्पताल अधीक्षक डॉ एम. के. मिंज ने बताया कि न्यूरोसर्जन डॉ. नितीश नायक (मस्तिष्क/रीढ़ की हड्डी के सर्जन),प्रत्येक मंगलवार प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक , यूरो सर्जन डॉ के.डी. खरे (मूत्ररोग विशेषज्ञ)शुक्रवार को चिकित्सालय के भूतल में सर्जरी विभाग की ओ.पी .डी .कक्ष क्रमांक 1 में और नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ मीना पटेल (किडनी / गुर्दा रोग विशेषज्ञ) चिकित्सालय के प्रथम तल में मेडिसिन विभाग के ओ. पी.डी. कक्ष क्रमांक 1 में सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार प्रातः (सुबह)10 बजे से दोपहर 1 बजे तक चिकित्सा परामर्श के लिए उपलब्ध रहेगे । इसका लाभ रायगढ़ अंचल सहित आसपास के क्षेत्रों के संबंधित मरीजों को मिलेगा। इससे इलाज के लिए बड़े शहरों पर निर्भरता कम होगी ।

डॉ. नितीश नायक न्यूरोसर्जन (मस्तिष्क/रीढ़ की हड्डी के सर्जन 'मस्तिष्क की गांठ, ब्रेन ट्यूमर,स्पाइनल इंज्यूरी,साईटिका, मस्तिष्क की गंभीर चोट, दिमाग का इन्फेक्शन होना, रक्त का थक्का (स्ट्रोक), कमर दर्द, लकवा की बीमारी, रीढ़ की हड्डी का दर्द, मांसपेशी (नसों) के दर्द चलने में कठिनाई, मांसपेशी का कमजोर होना, सिरदर्द, हाथ पांव में दर्द, उठने-बैठने में परेशानी होना और मिर्गी चक्कर आना आदि गंभीर बीमारियों का परामर्श देकर इलाज करेंगे।

डॉ के.डी. खरे यूरो सर्जन (मूत्ररोग विशेषज्ञ) पुरुषों और महिलाओं की मूत्र प्रणाली (गुर्दे, मूत्राशय, मूत्रवाहिनी, मूत्रमार्ग) और पुरुषों के प्रजनन अंगों (प्रोस्टेट, लिंग, अंडकोश, वृषण) से जुड़ी बीमारियों का इलाज जैसे कि गुर्दे की पथरी, मूत्र मार्ग संक्रमण, प्रोस्टेट की समस्याएँ, मूत्र असंयम, बांझपन, कैंसर (मूत्राशय, किडनी, प्रोस्टेट), और स्तंभन दोष (इरेक्टाइल डिसफंक्शन). इत्यादि गंभीर बीमारियों का परामर्श देकर इलाज करेंगे।

इसी तरह से डॉ.मीना पटेल नेफ्रोलॉजिस्ट (किडनी / गुर्दा रोग विशेषज्ञ) गुर्दे से जुड़ी बीमारियों, जैसे क्रोनिक किडनी डिजीज, किडनी फेलियर, किडनी स्टोन, किडनी इन्फेक्शन, हाई ब्लड प्रेशर,डायलिसिस और मधुमेह और उच्च रक्तचाप से होने वाली किडनी समस्याओं से संबंधित गंभीर बीमारियों का परामर्श देकर इलाज करेंगी।

खास खबर

एक ही दिन ससुर-दामाद की मौत: डूमरकछार में हादसे में उदेश्वर की मौत, परिवार और गाँव में गहरा मातम-पुलिस वाहन की तलाश में जांच तेज

कोरबा। एक ही दिन ससुर-दामाद की मौतः डूमरकछार में हादसे में उदेश्वर यादव की मौत, परिवार और गाँव में गहरा मातम -पुलिस वाहन की तलाश में जांच तेज रतनपुर में अपने बीमार ससुर को देखने गए उदेश्वर (42 वर्ष) जब वापस लौट रहे थे, तभी पाली डूमरकछार के पास एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार ठोकर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उदेश्वर गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े।उसी समय रास्ते से गुजर रहे परिचित सुशील कुमार डिक्सेना ने उदेश्वर को सड़क पर पड़ा देखा। पहचानते ही उन्होंने तुरंत उन्हें अपने एंबुलेंस से कटघोरा अस्पताल की ओर ले जाने की कोशिश की, लेकिन चोटें अत्यंत गंभीर होने के कारण उदेश्वर ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। हादसे की खबर जैसे ही डूडगा पहुँची, पूरे गाँव में गम और सन्नाटा फैल गया।उदेश्वर अपने पीछे दो छोटे बच्चे, पत्नी और माँ छोड़ गए हैं। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।दुर्भाग्य की पराकाष्ठा यह रही कि उसी दिन 3 दिसंबर 2025 की शाम को उदेश्वर के ससुर का भी निधन हो गया।एक ही दिन ससुर और दामाद दोनों की मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया है।इधर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।अज्ञात वाहन की पहचान के लिए पुलिस सीसीटीवी फुटेज, राहगीरों के बयान और मौके की जाँच कर रही है।पुलिस का कहना है कि ÷कौन सा वाहन था, उसकी पहचान जल्द की जाएगी और उचित कार्रवाई की जाएगी।

दुष्कर्म पीड़िता से 20 हजार रुपये ऐंठने, गाली-गलौज और आरोपी से सांठगांठ के आरोप..

एसपी ने पहले नहीं सुना फरियाद और अब किया अनिता खेस को निलंबित.!

कोरबा दुष्कर्म केस में आरोपी को बचाने, पीड़िता से 20 हजार रुपये लेने और गाली-गलौज करने के संगीन आरोपों ने कोरबा पुलिस प्रशासन को हिला दिया है। मामला महिला आयोग में पहुंचते ही पूरा सिस्टम हरकत में आया और एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने सिविल लाइंस रामपुर थाने की उप-निरीक्षक अनिता खेस को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन आदेश 5 दिसंबर 2025 को जारी हुआ।

पीड़िता का बड़ा खुलासा

पीड़िता ने शिकायत में कहा कि जांच अधिकारी ने सबूतों को कोर्ट में जमा नहीं किया। वॉट्सऐप-फेसबुक चैट, पेनड्राइव, कपड़े और डै-सभी को दबा दिया गया। आरोपी प्रवीण डहरिया की तलाश के नाम पर 20 हजार रुपये लिए गए और जब पीड़िता ने सवाल पूछा, तो गाली-गलौज कर थाने से भगा दिया गया। **मिलीभगत के आरोप ने बढ़ाई आग** पीड़िता का कहना था कि जांच अधिकारी और आरोपी के बीच सीधी सांठगांठ है। पुलिस अधीक्षक को पहले शिकायत दी गई थी, लेकिन कार्रवाई न होने के बाद उसने महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई। मामला जैसे ही सार्वजनिक हुआ, पूरा पुलिस प्रशासन दबाव में आ गया।

एसपी ने किया तुरंत निलंबित

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने जांच अधिकारी अनिता खेस को निलंबित कर पुलिस लाइन कोरबा अटैच कर दिया।

प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी का भूमि पूजन सम्पन्न

संवाददाता।

बिलासपुर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अवसर दर्ज करते हुए प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जम्बूरी के भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन 8 दिसंबर 2025 को दुधली, जिला बालोद (छत्तीसगढ़) में भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय गजेन्द्र यादव, शिक्षा मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन उपस्थित रहे। भूमि पूजन विधिवत मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया।

कार्यक्रम में अमर बी. छेत्री, कार्यकारी निदेशक, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली, इन्द्रजीत सिंह खालसा, राज्य मुख्य आयुक्त तथा राज्य सचिव जितेन्द्र कुमार साहू सहित संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, कर्मचारी तथा स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अपने संबोधन में अतिथियों ने भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के युवा विकास, अनुशासन, सेवा व राष्ट्र निर्माण में भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बिलासपुर जिले से स्काउटर देवब्रत मिश्रा, संतोष कुमार त्रिपाठी, भूपेन्द्र शर्मा तथा महेन्द्र बाबू टंडन तथा गाइडर श्रीमती बीना यादव, डॉ. भारती दुबे, सुश्री लता यादव, श्रीमती कल्पना सिंह, श्रीमती लक्ष्मी बृजवासी एवं सुश्री निधि कश्यप की विशेष उपस्थिति रही।

भूमि पूजन के साथ ही राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जम्बूरी की तैयारियों का औपचारिक शुभारंभ हो गया है। आयोजन से देशभर के स्काउट-गाइड युवा एक मंच पर जुटेंगे, जिससे राष्ट्र निर्माण की दिशा में नई ऊर्जा व प्रेरणा का संचार होने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है।

जिला कोरबा में गाइडलाइन दरों के संबंध में प्रकाशित समाचार पर स्पष्टीकरण

कोरबा समाचार पत्र में05 दिसंबर 2025 को गांवों में जमीन की खरीदी-बिक्री बंद, शहर रजिस्ट्री खर्चा 1 से बढ़कर ?3 लाख शीर्षक से समाचार प्रकाशित हुआ है। इस संदर्भ में आमजन को अवगत कराया जाता है कि छत्तीसगढ़ गाइडलाइन दरों का निर्धारण नियम, 2000 के प्रावधानों के तहत केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड, छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए स्थावर संपत्तियों के बाजार मूल्य निर्धारण संबंधी गाइडलाइन दरों को अनुमोदित कर 20.11.2025 से लागू किया गया है। जिला कोरबा औद्योगिक एवं खनिज संपदा से सम्पन्न जिला होने के कारण यहाँ अचल संपत्तियों के वास्तविक मूल्यों में प्रतिवर्ष उल्लेखनीय वृद्धि होती है। वर्ष 2018-19 के पश्चात् गाइडलाइन दरों में वृद्धि न किए जाने से वास्तविक बाजार मूल्य और गाइडलाइन दरों में असंतुलन उत्पन्न हो गया था। इस असंतुलन को दूर करने के लिए पंजीयन विभाग द्वारा वैज्ञानिक पद्धति से नगरीय क्षेत्रों के वार्डों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विकसित क्षेत्रों और सड़कों का अध्ययन कर समान प्रकृति वाले क्षेत्रों का समूह बनाते हुए एकरूप दरें निर्धारित की गई हैं। नगरीय क्षेत्रों में अनावश्यक कंडिकाओं को हटाकर कम कंडिकाओं के साथ अधिक स्पष्ट और सरल गाइडलाइन तैयार की गई है, ताकि नागरिक अपनी संपत्ति का बाजार मूल्य आसानी से समझ सकें। रकबा 0.05 एकड़ से कम वाले भूखंडों तथा हाईवे निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण वाले क्षेत्रों की रजिस्ट्री प्रक्रिया-गत कारणों से अस्थायी रूप से रोकी गई है, जिसके परिणामस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों से अपेक्षाकृत कम रजिस्ट्रियां प्राप्त हो रही हैं। गत वर्ष 20/11/2024 से 05/12/2024 के मध्य कुल 207 दस्तावेज पंजीकृत हुए थे, जबकि वर्तमान वर्ष 20/11/2025 से 05/12/2025 की अवधि में नई गाइडलाइन लागू होने के उपरांत अब तक 184 दस्तावेजों का पंजीयन किया जा चुका है।

विकासखण्ड पाली के ग्राम तेलसरा में वाटरशेड महोत्सव का सफल आयोजन

कोरबा। कृषि विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना - जलग्रहण विकास घटक 2.0 के अंतर्गत जल संरक्षण एवं भूमि संरक्षण कार्यों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु शुक्रवार 05 दिसंबर को विकासखण्ड पाली के ग्राम तेलसरा में वाटरशेड महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री तुलेश्वर सिंह मरकाम, विधायक पाली-तानाखार उपस्थित रहे।

महोत्सव की शुरुआत जनजागरूकता रैली, श्रमदान एवं वृक्षारोपण से हुई। विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा जल संरक्षण विषय पर रंगोली, पोस्टर पेंटिंग, कविता, नृत्य एवं नाटक प्रस्तुत किए गए, जिनसे ग्रामीणों में जल एवं भूमि संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ी। मुख्य अतिथि श्री मरकाम द्वारा कार्यक्रम के दौरान 03 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 07 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। यह सभी कार्य क्षेत्र में भूमि संरक्षण को सुदृढ़ करेंगे तथा सिंचाई रकबे में वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। कला जत्था कार्यक्रम के माध्यम से भी ग्रामीणों को जल एवं भूम संरक्षण के महत्व से अवगत कराया गया। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि ने जल एवं भूमि संरक्षण को सतत विकास की आधारशिला बताते हुए ग्रामीणों से इन प्रयासों को जन आंदोलन का रूप देने की अपील की।

जिला स्तरीय युवा उत्सव एवं महिला खेलकूद प्रतियोगिता 19 और 20 को

कोरबा संवाददाता

संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार राज्य के युवाओं को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिला स्तरीय एवं राज्य स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन संपन्न किया जाना है। युवा उत्सव में भाग लेने वाले कलाकारों में जिला स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को राज्य स्तर तथा राज्य स्तर के विजेताओं को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में सम्मिलित किया जायेगा। युवा उत्सव आयोजन में इस वर्ष आयु वर्ग 15 से 29 वर्ष तक (प्रतिभागियों हेतु) एवं 18 से 40 वर्ष तक (संगतकारों हेतु) निहित की गई है। जिसके अंतर्गत विधाएं- 1. लोक नृत्य (10 सदस्य एवं 03 संगतकार), 2. पंथी नृत्य (10 सदस्य एवं 02 संगतकार), 3. राउत नाचा (10 सदस्य एवं 02 संगतकार), 4. सुआ नृत्य (10 सदस्य एवं 02 संगतकार), 5.करमा नृत्य (10 सदस्य एवं 02 संगतकार), 6.लोक गीत(10 सदस्य एवं 03 संगतकार), 7. वाद-विवाद(02 सदस्य), 8. कहानी लेखन(01 सदस्य), 9. चित्रकला(01 सदस्य), 10. कविता लेखन(01 सदस्य), 11.नवाचार(02 सदस्य), 12. एकांकी(12 सदस्य), 13.पारंपरिक वेशभूषा(02 सदस्य), 14. रॉकबैंड(10 सदस्य) सहित कुल 14 विधाएं शामिल की गई हैं। कोरबा जिला में युवा उत्सव का आयोजन 19 दिसम्बर एवं 20 दिसम्बर 2025 को प्रातः 10:00 बजे से वि.गृ.उ.मा.वि. क्र 01, कोरबा में आयोजित किया जाना है।

युवा उत्सव प्रतियोगिता का पंजीयन कार्यालय खेल एवं युवा कल्याण, कोरबा(पता-जी.एस.टी. बिल्डिंग, प्रथम तल, कलेक्टोरेट परिसर) में अपना पंजीयन करा सकते हैं एवं ''माई भारत युवा पोर्टल'' में अपना रजिस्ट्रेशन करेंगे। जिला से सम्मिलित होने वाले इच्छुक प्रतिभागी पंजीयन फॉर्म के साथ दो फोटो, आधार कार्ड छायाप्रति, बैंक पासबुक छायाप्रति संलग्न करेंगे। पंजीयन हेतु अंतिम तिथि 13. दिसम्बर 2025 है। अधिक जानकारी के लिये व्हॉट्सएप नंम्बर 8349459386 पर संपर्क कर सकते हैं।

सबका साथ - सबका विकास के मूलमंत्र के साथ कार्य कर रही है राज्य सरकार - उद्योग मंत्री

उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 20 पथरीपारा में किया 25 लाख रू. के विकास कार्यो का भूमिपूजन

महापौर संजूदेवी राजपूत, सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री गोपाल मोदी, पार्षद व बुनकर प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक श्री नरेन्द्र देवांगन सहित निगम के एम.आई.सी.सदस्य, पार्षदगण व अन्य जनप्रतिनिधियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

कोरबा प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास - सबका विश्वास के मूलमंत्र के साथ छत्तीसगढ़ सरकार लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में विगत दो वर्ष के कार्यकाल में राज्य सरकार ने पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य करते हुए एक जनहितैषी व जनकल्याणकारी सरकार की छबि बनाई है, उन्होने कहा कि जहाँ तक कोरबा के विकास का प्रश्न है तो विगत दो वर्ष के दौरान नगर निगम कोरबा क्षेत्र के विकास के लिए 800 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्यो को स्वीकृत दी जा चुकी है तथा बिना किसी भेदभाव के सभी 67 वार्डो में जनता की मांग व आवश्यकता के अनुरूप तेजी से विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

उक्त बातें उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने निगम के वार्ड क्र. 20 पथरीपारा में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान कहीं। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 20 पथरीपारा बजरंग बली मंदिर से गीतादेवी के घर तक एवं नीलगिरी बस्ती में 15 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड का निर्माण तथा वार्ड क्र. 20 कोसाबाड़ी जोनांतर्गत महर्षि वाल्मीकि आश्रम में 10 लाख रूपये की लागत से टायलेट एवं बाथरूम का निर्माण कराया जाना हैं, पथरीपारा स्थित महिला दुर्गा पण्डाल परिसर में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करते हुए उक्त दोनों विकास कार्यो का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत द्वारा की गई, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री गोपाल मोदी, वरिष्ठ पार्षद व भाजपा बुनकर प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक श्री नरेन्द्र देवांगन सहित निगम की मेयर इन काउंसिल के सदस्यगण व पार्षदगण उपस्थित थे।

भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाएं देश में चलाई है, जिनका सीधा लाभ देश के करोड़ों लोगों को मिल रहा है, वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्रशासन की दिशा तय करते हुए विगत दो वर्षो के दौरान पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य किया है तथा आमजनता के हित में दर्जनों योजनाएं संचालित की है। उन्होने आगे कहा कि प्रदेश में 15 वर्ष तक डॉ.रमन सिंह मुख्यमंत्री के पद पर रहे हैं, उन्होने अपने कार्यकाल में अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई थी, जिन्हे बीच में बंद कर दिया गया था, अब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के द्वारा पुनः इन जनहितैषी योजनाओं का संचालन कराया जा रहा है, जिससे प्रदेश के लाखों नागरिक लाभान्वित हो रहे हैं। उद्योग मंत्री देवांगन ने कहा कि कोरबा जिले की सभी सड़कों के जीर्णोद्धार, नवनिर्माण के लिए स्वीकृति दी जा चुकी है, कार्यो की आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर शीघ्र ही इस दिशा में कार्य होगा।

सभी वायदें पूरा कर रहे उद्योग मंत्री- इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान उद्योग मंत्री श्री देवांगन द्वारा क्षेत्र की जनता से विकास से संबंधित जो भी वायदें किए गए थे, वे सभी वायदें आज पूरे हो रहे हैं, नगर निगम कोरबा क्षेत्र में अरबों रूपये के विकास कार्य स्वीकृत कराए गए हैं, जिन पर तेजी से काम हो रहा है। उन्होने कहा कि कोरबा की जनता ने जिस आशा व विश्वास के साथ हम सभी को सेवा का अवसर दिया है, उनके उस विश्वास को हमेशा कायम रखा जाएगा।

मेरिट में स्थान बनाने पर दीक्षांत समारोह में एमएससी की छात्रा ममता को मिला सम्मान

कोरबा । मिनीमाता शासकीय कन्या महाविद्यालय की मेधावी छात्रा ममता पैगवार ने एमएससी रसायन शास्त्र में विश्वविद्यालय मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का शानदार प्रदर्शन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर में आयोजित छठवें दीक्षांत समारोह में उन्हें सम्मानित किया गया।

दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद, कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्री रमेन डेका, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, उपस्थिति में आयोजित समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति श्री अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने ममता को सम्मान प्रदान किया।15 ब्लॉक कॉलोनी निवासी ममता पैगवार, एसईसीएल कर्मी श्री गीत राम पैगवार की सुपुत्री हैं। ममता शुरुआत से ही प्रतिभाशाली छात्रा रही हैं। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर परिवार में हर्ष का माहौल है। साथ ही महाविद्यालय की प्राचार्य, संकाय सदस्यों एवं समस्त स्टाफ ने ममता को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं एवं बधाई दी है।

ममता ने अपनी प्राध्यापिका श्रीमती श्रेणी दिवाकर के मार्गदर्शन में सतत मेहनत और समर्पण के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। एमएससी जैसे चुनौतीपूर्ण विषय में मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर तथा शासकीय महाविद्यालय से अध्ययन कर विशेष उपलब्धि अर्जित करने पर ममता की सर्वत्र प्रशंसा हो रही है।ममता पैगवार की यह सफलता न केवल उनकी मेहनत और लगन का परिणाम है, बल्कि उन छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत भी है ।

स्मृति पुस्तकालय योजना से शिक्षा को मिला नया संबल, दानदाताओं ने अब तक दी 6000 से अधिक पुस्तकें

स्मृति पुस्तकालय योजना से शिक्षा को मिला नया संबल, दानदाताओं ने अब तक दी 6000 से अधिक पुस्तकें

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जिले में संचालित स्मृति पुस्तकालय योजना शिक्षा के क्षेत्र में नया संबल प्रदान कर रही है। इसी क्रम में शासकीय प्राथमिक शाला सखाराम दुबे की प्रधान पाठिका ममता अहार ने 20 पुस्तक दान की जिसमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जीवनी, नोवेल, सुभद्राक्ष कुमारी चौहान द्वारा लिखित पुस्तक शामिल है एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सांकर (धरसीवां) की शिक्षिका चंचल विजय शुक्ला ने चार स्वरचित पुस्तक दान की जिसका नाम नारी अस्मिता की आवाज, पहली महिला, भारत के लाल व कवियों पर कविता सहित अन्य पुस्तकें भी दान की गईं। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने इन पुस्तकों को ग्रहण करते हुए इस पुनीत कार्य के लिए दानदाता का आभार व्यक्त किया। जिले में 15 जुलाई से प्रारंभ इस योजना के तहत अब तक लगभग 6000 से अधिक पुस्तकें दान की जा चुकी हैं। ये पुस्तकें जरूरतमंद विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में सहायक सिद्ध होंगी। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे आगे आकर पुस्तकें एवं इलेक्ट्रॉनिक गैजेट दान करें और ज्ञान के इस अभियान में सहभागी बनें। दान करने के लिए लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता प्रभात सक्सेना अथवा रोजगार अधिकारी केदार पटेल से मोबाइल नंबर 9406049000 पर संपर्क किया जा सकता है।

लोकसेवा आयोग मे चयनित विद्याभारती संस्थान के पूर्व छात्रों का हुआ सम्मान

रायपुर । विद्या भारती द्वारा पूरे भारत में सरस्वती शिशु मंदिर के नाम से विद्यालय संचालित किया जाता है। जिसमें अरुण से द्वादश कक्षा तक अर्थात केजी 1 से 12वीं तक की शिक्षा दी जाती है, जो कि पूरे छत्तीसगढ़ के भी प्रत्येक जिलों में यह संस्था संचालित है। जिसमें से विभिन्न विद्यालयों के 22 पूर्व छात्र जिनका चयन सन 2024 छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग में हुआ, जिनका सम्मान समारोह का आयोजन गत दिवस 7 दिसंबर दिन रविवार को सरस्वती शिक्षा संस्थान रोहिणीपुरम, रायपुर में किया गया।उक्त कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के तौर पर अवधेश त्रिवेदी जी (वरिष्ठ मंडल वाणिज्य अधिकारी , द. पू. म. रेल्वे) एवं मुख्य वक्ता : डॉ. देव नारायण साहू जी (प्रांतीय संगठन मंत्री , विद्या भारती छ. ग.) ने चयनित पूर्व छात्रों को संबोधित किया एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। वहीं लोक सेवा आयोग में चयनित पूर्व छात्रों ने भी अपना अनुभव कथन कहा। जिसमें विद्या भारती के संस्कार और अनुशासन की खूब सराहना करते हुए कहा कि यहां के अनुशासन की वजह से ही आज हम सब इस मुकाम पर पहुंच आए हैं और यहां के संस्कार हमें बाकी लोगों से अलग बनाते हैं। सरस्वती शिशु मंदिर में अध्ययन किए हुए समस्त छात्रों की एक विशिष्टता यह होती है कि इनमें देश प्रेम की भावना सबसे ज्यादा होती है, विद्यालय में बचपन से ही देश प्रेम की भावना बच्चों में रोपी जाती है तथा बड़े ही काव्यात्मक रूप से कहा कि हम भले ही यहां के संस्कारों को छोड़ दें लेकिन विद्यालय के संस्कार हमें कभी नहीं छोड़ेंगे। सभी ने कृतज्ञता ज्ञापित करी कि विद्यालय से निकलने के बाद भी संस्था ने हमे नहीं भुलाया और एक उचित मंच दिलाकर हमारा सम्मान किया । सम्मान समारोह कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य अतिथि जुड़ावन सिंह ठाकुर जी (क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, विद्या भारती मध्य क्षेत्र) एवं मुख्य वक्ता अभय कुंभकार जी (प्रांत प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ छ.ग.) एवं विशिष्ट अतिथिः डॉ. गौरव सिंह जी (कलेक्टर, रायपुर छ.ग.) का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ । गौरव सिंह जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मैं भी सरस्वती शिशु मंदिर का ही छात्र हूं और कभी हिंदी में बात करने में मैने हीनता का बोध नहीं किया , मैंने अंग्रेजी में भी पढ़ाई की है मुझे अंग्रेजी आती है फिर भी मैंने पीएससी की परीक्षा में अपनी भाषा हिंदी को ही चुना और इंटरव्यू में भी मैं हिंदी का ही चुनाव किया। आजकल के नवयुवक दिखावे के चक्कर में अपनी मातृभाषा को छोड़कर अंग्रेजी को मॉडर्न समझने की गलती कर बैठते हैं मै सभी चयनित पूर्व छात्रों को भी यही मार्गदर्शन देना चाहता हूं कि आप जिस भी क्षेत्र में जाए उस क्षेत्र में विद्यालय के संस्कार दिखाना चाहिए क्योंकि आम नागरिकों की शिकायत होती है कि प्रशासनिक अधिकारियों का बात करने का लहजा अच्छा नहीं होता लेकिन सरस्वती शिशु मंदिर के संस्कार ही हैं जो आपको बाकी सहकर्मियों से अलग बनाएंगे और समाज में आपको अलग पहचान दिलाएंगे।सभी अतिथियों ने सेवा भाव के साथ और स्पष्ट रूप से कार्य करने की आवश्यकता को बताया कि राज्य और देश को आगे बढ़ाने के लिए संवेदनशील प्रशासनिक दायित्व का बोध हर पल होता रहे। उक्त कार्यक्रम पूर्व छात्रों द्वारा ही आयोजित किया गया

वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट बनाने मुख्य सचिव ने ली अधिकारियों की बैठक

अगले महीने भार साधक मंत्रियों से चर्चा कर लिया जाएगा अंतिम रूम

0-2026-27 का अनुमानित बजट होगा सवा लाख करोड़ का

रायपुर । प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट बनाने के लिए मुख्य सचिव विकास शील ने सभी विभागों के प्रमुख सचिवों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली, जिसमें सभी विभागों के नए प्रस्ताव एवं योजनाओं पर चर्चा हुई है। केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के लिए ज्यादा से ज्याद राज्यांश लेने की योजना है। नए बजट में अधोसंरचना विकास शिक्षा एवं नक्सल उन्मूलन तथा आदिम जाति जनजाति विभाग को अधिक से अधिक राशि दिए जाने का प्रस्ताव रखा जाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार दिसंबर महीने में राज्य के वित्तीय बजट बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिसके तहत राज्य में सभी विभागों के प्रस्ताव मंगा लिए गए हैं। इस समय लोक निर्माण विभाग में भवन, सड़क तथा आधुनिक भवनों के निर्माण के लिए एक बड़ी राशि खर्च की जाएगी। वहीं सिंचाई परियोजनाओं के लिए भी केन्द्र से राशि लेने का प्रावधान किया जा रहा है। बस्तर में बोधघाट प्रोजेक्ट को हरी झंडी दिलाने का प्रयास किया जाएगा। सिंचाई का रकबा 40 प्रतिशत से अधिक बढ़ाया जाएगा। कृषि विभाग को आधुनिक ड्रोन तथा लेबोरेट्री से सुसज्जित किया जाएगा। धान के अलावा व्यावसायिक फसलों को लगाने पर जोर दिया जाएगा।

धान खरीदी में 10 हजार करोड़ से भी अधिक का घाटा

राज्य में धान खरीदी किसी भी सरकार के लिए अनिवार्य हो गया है। यह छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए जीवन रेखा है, 25 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर एक लाख मीट्रिक टन से ज्यादा धान खरीदा जाता है। इस पर प्रति वर्ष 50 हजार करोड़ खर्च होते हैं, जो कि बजट का एक तिहारी हिस्सा है।

पैडीकैरी में मार्कफेड को नोडल एजेंसी बनाया गया है। इससे करीब 10 हजार करोड़ का घाटा हो रहा है। केन्द्र सरकार इसके एवज में मात्र एक करोड़ राशि भेज देती है। मिलर्स, ठेकेदारों और भ्रष्ट अधिकारियों को ही फायदा हो रहा है। सरकार का भट्टा बैठ रहा है, जिससे अधिकारी काफी चिंतित हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य एवं नक्सली उन्मूलन के लिए बड़ी राशि

शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग में केन्द्र से एक बड़ी राशि आती है। शिक्षा विभाग में मिड डे मिल तथा अन्य कार्य के लिए भी केन्द्र राशि देता है। राज्य सरकार द्वारा स्वामी आत्मानंद स्कूल का संचालन किया जा रहा है, जो कि डीएम फंड से संचालित है, लेकिन अब इनकी व्यवस्था चरमरा गई है, जिसके कारण इस स्कूल के बदले पीएम श्री स्कूल खोला जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग में एड्स, टीवी तथा अन्य अंधत्व निवारण के लिए एक बड़ी राशि आती है, इसलिए स्वास्थ्य विभाग पीएम स्वास्थ्य योजना के तहत एक बड़ी राशि मांगी जा रही है। पंचायत विभाग में प्रधानमंत्री सड़क योजना, आवास योजना, नवा विहान तथा अन्य कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं।

एक लाख करोड़ से ज्यादा का होगा नया बजट

प्रदेश में जीएसटी के चलते आय कम हो गई है। केन्द्र से एक बड़ी राशि मिलती है, जो कि कुल करेत्तर राज्यांश के रूप में 67 प्रतिशत रहता है तथा राज्य ये 33 प्रतिशत मिलता है, इसलिए राज्यों को जीएसटी पर ही निर्भर रहना होता है। वर्ष 2025-26 का बजट एक लाख करोड़ का था, नया बजट डेढ़ लाख करोड़ के आसपास बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने आज आवास में निपटाया प्रशासनिक काम-काज

कैबिनेट और शीतकालीन सत्र की तैयारियों को लेकर अधिकारियों से की चर्चा

रायपुर । प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्यमंत्री निवास में बैठककर प्रशासनिक काम-काज को निपटाया। 10 दिसम्बर को होने वाली कैबिनेट की बैठक की प्रस्तावों और 14 दिसंबर से होने वाले सत्र के लिए विधेयकों एवं संबंधित प्रश्नों के बारे में जानकारी ली।

मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश के मुख्यमंत्री को आज नई दिल्ली जाना था, लेकिन यह कार्यक्रम अचानक अपिहार्य कारणों से स्थगित हो गया है। प्रदेश में इसको लेकर तरह-तरह की चर्चा व्याप्त है। मुख्यमंत्री सचिवालय के अनुसार 10 दिसंबर को होने वाली कैबिनेट की बैठक में आने वाले प्रस्तावों को अंतिम रूप देने पर चर्चा हुई। वहीं शीतकालीन सत्र में मुख्यमंत्री के संबंधित विभागों में आए प्रश्नों की भी ब्रिफिंग की गई। मुख्यमंत्री पिछले कई दिनों से काफी व्यस्त दौरा कार्यक्रम बनाया गया था। लेकिन आज वे अपने घर में ही बैठक प्रशासनिक कामकाज निपटा रहे हैं। राज्य में शीघ्र ही आईएस अधिकारियों की भी एक ट्रांसफर लिस्ट निकाले जाने की भी चर्चा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएँ

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 10 दिसंबर अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार मात्र अधिकारों की रक्षा का विषय नहीं है, बल्कि यह मानवता, समानता और व्यक्ति की गरिमा के प्रति हमारी सामूहिक संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का सर्वोच्च प्रतीक है।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को मौलिक अधिकार प्रदान करता है। हम सबका दायित्व है कि अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ-साथ अपने कर्तव्यों का भी निष्ठापूर्वक पालन करें। अधिकारों की वास्तविक सुरक्षा तभी संभव है जब समाज का हर व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति सजग, उत्तरदायी और प्रतिबद्ध हो।उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस विश्वभर में समानता, शांति, न्याय, स्वतंत्रता और मानवीय गरिमा की स्थापना के लिए जन-जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि समाज तभी मजबूत बनता है जब हर व्यक्ति सुरक्षित, सम्मानित और समान अवसरों से सशक्त हो।मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे मानवाधिकारों के संरक्षण और संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाएँ और एक ऐसे समाज के निर्माण में सहयोग करें जो न्यायसंगत।

खैरागढ़ में श्री सीमेंट परियोजना पर टकराव तेज, जनसुनवाई पर टिकी निगाहें

खैरागढ़।

खैरागढ़ जिले के छुईखदानङ्कसंडी क्षेत्र में श्री सीमेंट कंपनी की प्रस्तावित 404 हेक्टेयर खनन व औद्योगिक परियोजना को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों के बढ़ते विरोध के बीच कंपनी ने आरोप लगाया है कि कुछ लोग गलत जानकारी फैला कर माहौल खराब कर रहे हैं और आंदोलन को अनावश्यक रूप से भड़का रहे हैं।

खैरागढ़ में आयोजित प्रेस वार्ता में कंपनी प्रबंधन ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के विकास, रोजगार सृजन और सड़कङ्कबिजलीङ्कपानी जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने का अवसर है। कंपनी ने दावा किया कि न तो किसी गांव को उजाड़ा जाएगा और न पर्यावरण को नुकसान होने दिया जाएगा, बल्कि स्थानीय लोगों को लाभ पहुंचाने वाली योजनाएं लागू की जाएंगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद खैरागढ़ कलेक्टर इंद्रजीत चंद्रवाल ने भी बताया कि ग्रामीणों में कई तरह की भ्रांतियां हैं, जिन्हें बातचीत से दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई ग्रामीणों के लिए आपत्तियां और सुझाव रखने का आधिकारिक मंच है, और प्रशासन इससे अलग भी संवाद करने के लिए तैयार है ताकि स्थिति स्पष्ट की जा सके। दूसरी ओर, क्षेत्र की विधायक यशोदा वर्मा इस परियोजना का कड़ा विरोध कर रही हैं।

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस अंतर्गत 21 दिसम्बर को ज़िले में चलेगा पल्स पोलियो अभियान

से 5 वर्ष तक के बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो रोधी दवा

रायपुर । छत्तीसगढ़ शासन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के निर्देशानुसार रायपुर जिले में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस अंतर्गत पल्स पोलियो अभियान दिनांक 21 दिसम्बर 2025 को आयोजित किया जाएगा। इस दिवस पर शून्य से पाँच वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पोलियो रोधी दवा बूथ के माध्यम से पिलाई जाएगी। इसके उपरांत 22 एवं 23 दिसम्बर 2025 को घरङ्कघर भ्रमण कर छूटे हुए बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाने की कार्यवाही की जाएगी।अभियान के सफल संचालन हेतु जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक आज कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में अभियान से संबंधित कार्ययोजना, दायित्व निर्धारण एवं विभागीय समन्वय पर विस्तृत चर्चा की गई।जिले में 0 से 5 वर्ष तक के कुल 3,45,705 बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान दिवस पर ग्राम एवं वार्ड स्तर पर कुल 1,392 पोलियो बूथ स्थापित किए जाएंगे, जिनमें प्रत्येक बूथ पर 4 वैक्सीनेटर नियुक्त रहेंगे। साथ ही हर 5 बूथ पर 1 सुपरवाइजर की नियुक्ति की गई है, जो निगरानी एवं आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करेगा।कलेक्टर डॉ. सिंह द्वारा निर्देश दिए गए कि बूथ हेतु चिन्हित सभी विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र एवं ग्राम पंचायत भवन अभियान दिवस को प्रातः 08:00 बजे से खोले जाएं। बूथों में साफसफाई, पेयजल व्यवस्था, बैठने हेतु कुर्सी-टेबल एवं अभिभावकों के लिए आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। गांवों में अभियान दिवस से एक दिवस पूर्व मुनादी/घोषणाएँ किए जाने के भी निर्देश दिए गए, ताकि सभी अभिभावक अपने बच्चों को बूथ में लेकर पहुंच सकें।कलेक्टर डॉ. सिंह ने सभी विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के माध्यम से लक्ष्य की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)